मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 7 अंक 158
रविवार, 22 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

देश चिकित्सकों की कमी का सामना कर रहा, मेडिकल सीटें बर्बाद नहीं होनी चाहिए : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऐसे समय में जब देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, कीमती मेडिकल सीटें बर्बाद नहीं होनी चाहिए। न्यायालय ने प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रिक्त सीटों को भरने के लिए नये सिरे से काउंसलिंग आयोजित करें।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने दाखिल देने वाले प्राधिकारियों को विशेष काउंसलिंग आयोजित करने और 30 दिसंबर तक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने को कहा।

पीठ ने आदेश दिया, विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों तथा इस बात पर ध्यान रखते हुए कि देश डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, बहुमूल्य मेडिकल सीटें व्यर्थ नहीं जानी चाहिए, हम अंतिम अवसर के रूप में अवधि

बढ़ाने के लिए इच्छुक हैं।

शीर्ष अदालत ने यह आदेश उन याचिकाओं पर विचार करते हुए दिया, जिनमें दाखिला देने वाले प्राधिकारियों को पांच दौर की काउंसलिंग के बाद भी खाली बची सीटों के लिए काउंसलिंग का एक विशेष दौर आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

देवास में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले में शनिवार तड़के एक मकान में आग लगने से दो बच्चों समेत एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मकान में डेयरी भी थी।

एक अधिकारी ने बताया कि नयापुरा इलाके में स्थित मकान में सुबह करीब पौने पांच बजे आग लगी। नाहर दरवाजा पुलिस थाने की प्रभारी मंजू यादव ने कहा, हमें नयापुरा में एक डेयरी में आग लगने की सूचना मिली थी और उसी परिसर में एक परिवार भी रहता था।

उन्होंने कहा कि दम घुटने और झुलसने से दंपति और उनके दो बच्चों की मौत हुई। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

शिक्षा प्रणाली को सीखने में सहायक होना चाहिए, बाधा नहीं बनना चाहिए: मोहन भागवत

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा प्रणाली को सीखने में बाधा नहीं बल्कि सुविधा प्रदाता की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बदलते समय के साथ तालमेल बिठाते हुए हमारे बुनियादी मूल्यों पर कायम रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। यहां बानेर में लोकसेवा ई- स्कूल का उद्घाटन करने के बाद आरएसएस प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा कोई व्यवसाय नहीं है, बल्कि अच्छे इंसान बनाने का एक व्रत है।

उन्होंने कहा, शिक्षा प्रणाली को सीखने में बाधा नहीं बल्कि सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करना चाहिए। इसे केवल नियामक के रूप में कार्य करने के

बजाय छात्रों को सशक्त बनाने के साधन के रूप में कार्य करना चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की सराहना करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इसे भले ही हाल ही में पेश किया गया हो, लेकिन इस तरह की प्रणाली के लिए कई वर्षों से चर्चा की जा रही थी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा प्रणाली पूरी तरह लागू की जाएगी और यह देश को उसकी आकांक्षाओं के सपने की ओर ले जाएगी।

लीबिया में भारतीय कामगारों के हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि त्रिपोली स्थित भारतीय दूतावास लीबिया में भारतीय कामगारों के एक समूह की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है, जो बिना उचित दस्तावेजों के उस देश में गए थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उन भारतीय कामगारों के बारे में सवाल पूछा गया था जो लीबिया में एक सीमेंट कंपनी में काम रह रहे हैं और भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं।जायसवाल ने अपने जवाब में कहा कि कामगारों के लिहाज से निकास परमिट की व्यवस्था करने के लिए हमारा दूतावास लीबिया के अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ये भारतीय कामगार दुबई के रास्ते बेंगाजी पहुंचे थे। वे वहां गए थे, लेकिन उनके पास उचित दस्तावेज नहीं थे। जब वे उतरे, तो उनके काम को लेकर कुछ समस्याएं थीं... हमें इन कठिनाइयों के बारे में पता चला... त्रिपोली में हमारा दूतावास सक्रिय है। हमने वहां अपने समुदाय के माध्यम से अपने कामगारों से संपर्क किया। जायसवाल ने कहा, और, हमने उनकी मदद की है, हमने उनके भोजन, उनके दैनिक जीवन के सामान की व्यवस्था की है। त्रिपोली में हमारे सीडीए (प्रभारी) ने भी इन कामगारों से मुलाकात की है। मुझे लगता है कि यह 4 नवंबर को हुआ था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चूंकि ये लोग बिना उचित दस्तावेजों के लीबिया गए थे।

मिजोरम के 118 गांव वर्षभर आवाजाही लायक सड़कों से नहीं जुड़ेः राज्यपाल

आइजोल, 21 दिसम्बर। मिजोरम के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने कहा कि राज्य में दूरदराज के 118 गांव अभी भी वर्षभर आवाजाही लायक सड़कों से वंचित हैं। उन्होंने इन दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए केंद्र से अधिक सहायता की आवश्यकता पर बल दिया। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) की 72वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कंभमपति ने कहा कि इन गांवों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत परियोजनाएं सीमित हैं क्योंकि यहां बस्तियां कम हैं, जिससे और अधिक सहायता की

आवश्यकता है।

बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री और एनईसी के अध्यक्ष अमित शाह ने की। कंभमपति ने क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की पहल की सराहना की। निवेश आकर्षित करने के लिए मिजोरम की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, राज्य ने एक अंतर-विभागीय निवेश संवर्धन प्रकोष्ठ (आईपीसी) स्थापित किया है जो वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य तथा कौशल विकास क्षेत्रों में निवेशकों के साथ काम कर रहा है।

उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और एनईसी से आग्रह किया कि वे राज्य में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मिजोरम में एक अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र स्थापित करें। पूर्ण बैठक में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और एनईसी के उपाध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार, पूर्वोत्तर राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी शामिल हुए।

भाजपा सीटी रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा कर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही : डी.के. शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा भाजपा नेता और एमएलसी सी.टी. रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा करके पार्टी एक महिला मंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक का इस्तेमाल करने के मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। अंतरात्मा की आवाज को महत्वपूर्ण करार देते हुए उन्होंने राज्य में भाजपा नेतृत्व पर रवि का समर्थन करने के लिए निशाना साधा, जिन्हें राज्य की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रवि की रिहाई के उच्च न्यायालय के आदेश से संबंधित एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, उनसे (भाजपा से) पूछिए कि उन्होंने (रवि) जो कहा वह सही था या नहीं।

पुलिस की अनुमति न मिलने के बावजूद अल्लू अर्जुन पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग में शामिल हुएः ए रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 21 दिसम्बर । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद अल्लू अर्जुन चार दिसंबर को ह्यपुष्पा-2ह्ल की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर गए थे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भगदड़ में एक महिला की मौत के बाद भी अभिनेता सिनेमा हॉल से बाहर नहीं गए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें जबरन बाहर निकाला। अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा विधानसभा में इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद रेड्डी ने प्रसारित वीडियो का हवाला देते हुए अल्लू अर्जुन पर रोड शो निकालने और भारी भीड़ के बावजूद भीड़ को देखकर हाथ हिलाने का आरोप लगाया।

रेड्डी ने कहा कि थिएटर प्रबंधन ने दो दिसंबर को पुलिस

को एक पत्र लिखा था, जिसमें चार दिसंबर को अल्लू अर्जुन और अन्य लोगों के आने के दौरान सुरक्षा की मांग की गई थी। हालांकि, पुलिस ने भीड़ प्रबंधन में कठिनाइयों का हवाला देते हुए आवेदन को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि थिएटर में प्रवेश करने और बाहर निकलने से पहले अभिनेता ने अपनी कार की सनरूफ से बाहर निकलकर भीड़ को देखकर हाथ हिलाया, जिससे हजारों प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे।

उन्होंने फिल्मी हस्तियों की इस बात के लिए आलोचना की कि वे अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद उनसे मिलने के लिए उनके घर की ओर कूच कर गए लेकिन घटना में घायल होने के बावजूद अस्पताल में इलाज करा रहे लड़के से मिलने के लिए उन्होंने सहानुभूति तक नहीं दिखाई।

उन्होंने कहा, ह्लमैं फिल्मी हस्तियों से अपील करता हूं कि उन्हें अमानवीय व्यवहार नहीं करना चाहिए।ह्ल रेड्डी ने यह भी कहा कि भगदड़ में मौत जैसी अप्रिय घटनाएं होने पर कोई विशेषाधिकार नहीं दिया जाएगा।

उत्तराखंड में यूसीसी का मकसद केवल राजनीतिक लाभ है : हरीश रावत

उत्तराखंड, 21 दिसम्बर। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा लाई गई समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ है। इंडियन वूमेन प्रेस कोर (आईडब्ल्यूपीसी) में पत्रकारों के साथ बातचीत में रावत ने कहा कि समान नागरिक संहिता एक राज्य का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, यूसीसी राज्य का मुद्दा नहीं है। नाम से ही पता चलता है कि इसका मतलब पूरे देश के लिए एक समान नागरिक संहिता से है। अगर हर राज्य अपने कानून बनाएगा, तो यह एक समान कैसे होगा? कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य सरकार अब तक यूसीसी के नियम नहीं बना पाई है। उन्होंने

सवाल किया कि उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में भी, कुछ समुदायों को यूसीसी से बाहर रखना पड़ा, तो यह समान नागरिक संहिता कैसे है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा था कि उत्तराखंड की तर्ज पर भाजपा शासित हर राज्य में यूसीसी लाया जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि जनवरी में उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू हो जाएगी।

KWALITY BUILDERS & DEVELOPERS
अपने सपनों का घर प्राप्त करें, सस्ते दामों एवं आसान किस्तों के साथ मुंबई मे भी उपलब्ध
PRAKASH PRAJAPATI MO:9821773050
Venue: Plot No. 20/27/2/A/20, Behind Janbai Building, Navali, Palghar (E), 401404

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें
पुर्णिमा सर्विसेस
COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT
ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE
Email - purnima.services@gmail.com
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor , Prerna Tower, Diva - Shil Road , Diva (E) - 400612

THE DOCTORS COACHING
अब आपके विकास नगर लखनऊ में
Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!
Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)
NEET (UG) & FOUNDATION
Physics Chemistry Biology
Director Dr. Abid Khan PhD (USA)
9th, 10th, 11th & 12th
Smart Classes
Fully Air- Conditioned Classes
The Doctors Coaching Your Gateway to success in
NEET
a foundation exams!
ADMISSION OPEN NOW!
www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com
+91- 7080403322, +91- 8400043322
Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

भगवान पार्श्वनाथ हैं पुरुषार्थ एवं जीवंत धर्म के प्रणेता

-ललित गर्ग

वास्तविक और विशुद्ध धर्म को जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। इसलिए उन्होंने उपासनापरक और क्रियाकाण्डयुक्त धर्म को महत्व न देकर जीवंत धर्म की प्रतिस्थापना की। भगवान पार्श्वनाथ अज्ञान-अंधकार-आडम्बर एवं क्रियाकाण्ड के मध्य में क्रांति का बीज बन कर पृथ्वी पर जन्मे। तब तापस परम्परा में वे क्रांति-ज्वाला की तरह ऐसे प्रकट हुए, जैसे वर्षों तप में लीन रहने के बाद सहसा ज्ञान का तीसरा नेत्र खुल जाता है। उनका जीवन जहां तापस युग का अंत था तो दूसरे बौद्धिक साधना का प्रारम्भ। जैन धर्म के लिये यह वर्ष इसलिये ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण है कि 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान का यह 2900वें जन्म कल्याणक एवं 2800वें निर्वाण कल्याणक वर्ष है, इस अवसर पर भारत सरकार 25 दिसंबर 2024 को क्रमशः 900 और 800 रुपये के दो शुद्ध चांदी स्मारक सिक्के व 2 स्मारक डाक टिकट जारी करने जा रहा है। सिक्के व डाक टिकट विमोचन का समारोह श्री ओस्तरा तीर्थ (भोपालगढ़, जोधपुर) में जैनाचार्य श्री जिन पीयूषसागर सूरीश्वर जी म.सा. की निश्रा में कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत के करकमलों से होगा। इस समारोह को गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय धर्मधुरंधरसूरिजी म.सा. का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। श्री पार्श्व पद्मावती जिनालय महाबलीपुरम्- तीर्थ न्यास, नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष श्री ललित कुमार नाहटा एवं श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, दिल्ली के अध्यक्ष श्री सुखराज सेठिया के प्रयासों से भारत सरकार ने डाक टिकट एवं सिक्कों के प्रसारण का निर्णय लेकर अपनी विनम्र भावांजलि व्यक्त की है।

भगवान पार्श्वनाथ का जन्म आज से लगभग पौष कृष्ण एकादशी के दिन वाराणसी में हुआ था, उनके पिता का नाम अश्वसेन और माता का नाम वामादेवी था। राजा अश्वसेन वाराणसी के राजा थे। जैन पुराणों के अनुसार तीर्थंकर बनने के लिए पार्श्वनाथ को पूरे नौ जन्म लेने पड़े थे। पूर्व जन्म के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः ही वे तेईसवें तीर्थंकर बने। पुराणों के अनुसार पहले जन्म में वे मरुभूमि नामक ब्राह्मण बने, दूसरे जन्म में वज्रघोष नामक हाथी, तीसरे जन्म में स्वर्ग के देवता, चौथे जन्म में रश्मिवेग नामक राजा, पांचवें जन्म में देव, छठे जन्म में वज्रनाभि नामक चक्रवर्ती सम्राट, सातवें जन्म में देवता, आठवें जन्म में आनंद नामक राजा, नौवें जन्म में स्वर्ग के राजा इन्द्र और दसवें जन्म में तीर्थंकर बने। बचपन में पार्श्वनाथ का जीवन राजसी वैभव और ठाटबाठ में व्यतीत हुआ।

समय का हर पल विकास का एक स्वर्णिम अवसर है। यदि कोई इसे पहचान सके, पकड़ सके और उसे सर्वात्मना जी सके। इसलिए भाग्योदय में प्रयत्न और पुरुषार्थ से भी ज्यादा जरूरी होता है समय की सच्चाई के साथ जी सकने और स्वयं के अंदर छुपी अनंत संभावनाओं को उद्घाटित कर सकने का विश्वास। जिसे अपनी क्षमताओं पर विश्वास होता है वही धर्म का वास्तविक पात्र होता है। इसी वास्तविक और विशुद्ध धर्म को जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने स्थापित कर उपदेश दिया कि यदि धर्म इस जन्म में शांति और सुख नहीं देता है तो उससे पारलौकिक शांति की कल्पना व्यर्थ है। उन्होंने हमारी आस्था को नये आयाम दिये और कहा कि हमारे भीतर अनंत शक्ति है, असीम क्षमता है। उन्होंने जिस धर्म का उपदेश दिया, वह न ब्राह्मण धर्म था, न क्षत्रिय धर्म, न वैश्य धर्म और न ही शूद्र धर्म। वह विशुद्ध धर्म था, जो किसी कुल, जाति या वर्ण की परिधि में सिमटा नहीं था। बचपन से ही पार्श्वनाथ चिंतनशील और दयालु थे। पार्श्व युवा हुए। इनका क्षत्रियत्व शौर्यशाली था। सभी विद्याओं में ये प्रवीण थे। एक बार अपने मामा की सहायता के लिए युद्ध किया। आक्रामक को इन्होंने परास्त कर, उसे बंदी बना अपने शौर्य का परिचय दिया। उन्होंने अपने समय की हिंसक स्थितियों को नियंत्रित कर अहिंसा का प्रकाश फैलाया। यूं लगता है पार्श्वनाथ जीवन दर्शन के पुरोधा बनकर आये थे। उनका अतः से इति तक का पूरा सफर पुरुषार्थ एवं धर्म की प्रेरणा है। वे सम्राट से संन्यासी बने, वर्षों तक दीर्घ तप तपा, कर्म निर्जरा की, तीर्थंकर बने। जैन दर्शन के रूप में शाश्वत सत्यों का उद्घाटन किया। उनका संपूर्ण व्यक्तित्व एवं कृतित्व जैन इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है।

पार्श्वनाथ ने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने जीवन शुद्धि के लिए कठोर तप किया। उनके तप में सादगी थी और जीवन शुद्धि का मर्म था। वास्तव में तप वही है जिसके साथ न प्रदर्शन जुड़ा है और न प्रलोभन। इसमें न केवल उपदेश काम करता है और न अनुकरण। जीवन स्वयं एक तपस्या है। सुविधाओं के बीच सीमाकरण में रहना और अभावों के बीच तृप्ति को पा लेना भी तप है। प्रतिकूलताओं को समत्व से सह लेना, वैचारिक संघर्ष में सही समाधान पा लेना, इन्द्रियों को विवेकी बना लेना, मन की दिशा और दृष्टि को बदल देना भी तप है और ऐसे ही तप के माध्यम से पार्श्वनाथ न केवल स्वयं तीर्थंकर बने बल्कि जन-जन में ऐसी ही पात्रता को उन्होंने विकसित किया। उनकी साधना की कसौटी थी- शुद्ध आत्मा में धर्म का स्थिरीकरण। बिना पवित्रता धर्म आचरण नहीं बन सकता। जैसे- मुखौटों में सच नहीं छिपता, वैसे ही वासनाएं, कामनाएं, असत संस्कार और असत व्यवहार धर्म को आवरण नहीं बना सकता। इसलिए उपासना के इस बिन्दु से जोड़े कि धर्म मंदिर या पूजा पाठ में नहीं, धर्म मन के मंदिर में हैं। पार्श्वनाथ ने अहिंसा का दर्शन दिया। अहिंसा सबके जीने का अधिकार है, उन्होंने इसे स्वीकृत किया। प्राचीन उद्घोष एक बार फिर से करते हुए उन्होंने जनता को संदेश दिया- ह्यसव्वे पाणा पियाउवा, सव्वे दुक्ख पडिकुलाह्न- यानी सबको जीवन प्रिय है, दुख को कोई नहीं चाहता। पर हमने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण को नकार दिया। तीर्थंकर पार्श्वनाथ भी उन धर्मनायकों एवं तीर्थंकरों में से ऐसे महापुरुष थे, जो धर्म नीतियों का प्रकाश संसार में लेकर आए और ऐसे जीवन मूल्यों की स्थापना की जिनके माध्यम से धर्म एक नये रूप में प्रस्तुत हुआ। इस धर्म दर्शन में जीवन के इर्द-गिर्द छिपी बाहरी ही नहीं, भीतरी परछाइयां भी रोशनी बनकर प्रस्तुत होती है। अच्छाइयों की सही पहचान होती है, अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बनता। भगवान पार्श्वनाथ न केवल जैन समुदाय के लिये बल्कि जन-जन के लिए वंदनीय है। वे हमारे जीवन दर्शन के स्रोत हैं, प्रेरक आदर्श हैं। उन्होंने जैसा जीवन जीया, उसका हर अनुभव हमारे लिए साधना का प्रयोग बन गया। उन्होंने हमारे भीतर सुलभ बोधि जगाई, व्रत की संस्कृति विकसित की। बुराइयों का परिष्कार कर अच्छा इंसान बनने का संस्कार भरा। पुरुषार्थ से भाग्य बदलने का सूत्र दिया। क्योंकि हम कुछ होना चाहें और पुरुषार्थ न करें तो फिर बिना लंगर खोले रात भर नौका खेने वाले नादान मल्लाह की तरह असफलता हाथ आएगी। इसलिए उन्होंने कर्मवीर बनने का संदेश दिया। उन्होंने लगभग 70 वर्ष तक जनता को आलोक बांटा। 100 वर्ष की आयु में एक मास का अनशन करते हुए सम्मेद शिखर पर श्रवण शुक्ल अष्टमी को उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया। उनके जन्म कल्याणक एवं निर्वाण कल्याणक वर्ष के अवसर पर जरूरत है हम ऐसा संकल्प ले कि भगवान पार्श्वनाथ को सिर्फ शास्त्रों में ही न पढ़ें, प्रवचनों में ही न सुनें बल्कि पढ़ी और सुनी हुई ज्ञान-राशि को जीवन में उतारें तभी एक महाप्रकाश को अपने भीतर उतरते हुए देखेंगे। हम स्वयं पार्श्वनाथ बनने की तैयारी करें। प्रेषक

आपराधिक चरित्र के महिमामंडन की कहानी फिल्म पुष्पा

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

साहित्य समाज का दर्पण है, यह साहित्य की सर्वमान्य परिभाषा है। साहित्य को पढ़कर उस दौर की सामाजिक सच्चाइयों को जाना जा सकता है। यहां बात वर्ष 2024 के अंत में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा द रूल याने पुष्पा भाग 2 की है, जिसने अपने शुरुवाती दो सप्ताह में कमाई का रिकार्ड बनाया है। फिल्म की प्रसिद्धि का पता सोशल मीडिया पर बहुतायत में चल रहे संदेश, रील और साथ ही फिल्म देखकर आने वाले दर्शकों की प्रतिक्रियाओं से लगाया जा सकता है। हर कोई यह कहते नजर आ रहा है कि मैं झुकेगा नहीं साला। साउथ फिल्म के अभिनेता अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल द्वारा अभिनीत फिल्म पुष्पा द राइज याने पुष्पा भाग एक वर्ष 2021 के दिसंबर में रिलीज हुई और भारत सहित विदेशों में भी धूम मचा दी थी। ऐसा ही हाल पुष्पा दो याने पुष्पा द रूल के भी हो रहा है। यह फिल्म भी दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। यानी पुष्पा के उदय भाग एक से पुष्पा द रूल हो जाने तक की कहानी भाग दो के माध्यम से फिल्म में दिखाई गई है।

फिल्म आंध्रप्रदेश की शेषचलम पहाड़ियों में होने वाली लाल चंदन की तस्करी पर आधारित है। फिल्म का नायक पुष्पा एक कुली है जो लाल चंदन के जंगल में काम करता है। जंगल कटाई में पारंगत होने ओर घने जंगल में जाने की निडरता के चलते पुष्पा लाल चंदन के तस्करों के साथ पार्टनर बनता है। अपने साहस और बेबाकी के चलते तस्करों के सिंडिकेट में शामिल होने में सफल हो जाता है। फिल्म के दूसरे भाग में वह सिंडिकेट का सरगना बन जाता है। कुलमिलाकर पुष्पा फिल्म के दोनों भाग लाल चंदन के तस्करों, नेताओं ओर पुलिस के गठजोड़ की आपराधिक कहानी है। फिल्म में धनबल, सत्ताबल और बाहुबल की गरिमा को स्थापित करने का प्रयास किया गया है।

फिल्म पुष्पा की कहानी कितनी सच और कितनी काल्पनिक है। यह कहना तो मुश्किल है किंतु यदि फिल्म की स्टोरी को आधा सच भी मान लिया जाए, तो यह कहा जा सकता है कि फिल्म से मिलती जुलती घटनाएं घटित हुई होगी। जिसे कहानी के लेखक ने आकार दिया होगा। आंध्रप्रदेश की शेषचलम पहाड़ियों पर चंदन के जंगलों की कटाई स्थानीय प्रशासन तंत्र की मिलीभगत से हुई होगी।

फिल्म मनोरंजन का सुलभ माध्यम है। उसमें सच्चाई के साथ काल्पनिकता का पुट भी डाला जाता है। यह सिर्फ पुष्पा फिल्म की बात नहीं है अमूमन भारतीय फिल्म जगत इस प्रकार की कहानियों से भरा पड़ा है। पुष्पा फिल्म देखकर लाल चंदन की तस्करी के अलगअलग तरीकों से तो अवगत हुआ जा सकता है। इस फिल्म में धनबल से सरकार का तख्ता पलट, तस्करों के सिंडिकेट से पुलिस और नेताओं की निकटता को भी देखा जा सकता है। फिल्म को महज मनोरंजन के तौर पर देखने पर फिल्म की सराहना की जा सकती है। अल्लू अर्जुन, फहद फासिल और रश्मिका मंदाना के अभिनय की तारीफ भी की जा सकती है। किन्तु पुष्पा फिल्म से समाज को क्या संदेश मिल रहा है, यह सोचने पर महज भटकाव पैदा होता है। भारतीय समाज को यह फिल्म क्या परोस रही है। इस बात पर गौर किए जाने की आवश्यकता है। साहित्य समाज का दर्पण होता है। फिल्में भी साहित्य की एक विधा के तौर पर जन सामान्य का सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करती अपितु समाज को सकारात्मक संदेश भी देती रही है। पुष्पा फिल्म को दर्पण के तौर पर देखने पर फिल्म निर्माता का अदम्य साहस दिखाई देता है। वह तात्कालीन समाज में लाल चंदन के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ तो करता ही है। यह भी बताता की पूरा सिस्टम सिंडिकेट के इर्दगिर्द अपनी अवैध कमाई पर ध्यान देता है। नेता रुपयों के लिए किसी भी हद तक जा सकते है, पुलिस अधिकारी भी अपनी जिद और धनबल के लिए नतमस्तक है। जनता भी लाल चंदन के तस्कर पुष्पा की जय जयकार में लगी हुई है। क्या पुष्पा फिल्म में दिखाया गया आपराधिक गठजोड़ हमारे समाज की सच्चाई बयान कर रहा है। क्या राजनीति में अवैध धन का इस्तेमाल सरकार गिराने राज्य का मुख्यमंत्री बदलने के काम को अंजाम देता है। बड़ा सवाल यह है कि पुष्पा के चरित्र का अधिकांश भाग अपराध की दुनिया से जुड़ा है। पुष्पा खुद एक आपराधिक चरित्र के रूप में दिखाया गया है। फिर यह फिल्म कमाई का रिकार्ड क्यों बना रही है। क्या इस फिल्म में हमारे समाज की कड़वी सच्चाई को दिखाया है जो हमारे इर्दगिर्द घटित होती रहती है। भारतीय समाज में अक्सर देखा जाता है कि अपराध से जुड़े बड़े चेहरे जो सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देते है, राजनीति में आते है और जनता में नायक के रूप में देखे जाते है। पुष्पा भी तो तस्कर होने के बाद नायक की भूमिका में फिल्म में दिखाया गया है। बतौर मनोरंजक अल्लू अर्जुन के पुष्पा फिल्म में किए अभिनय को सराहा जा सकता है। पुलिस अधिकारी भंवर सिंह शेखावत के अभिनय की तारीफ की जा सकती है। किंतु फिल्म से मिल रहे सामाजिक संदेश की गणना करने पर सोचना पड़ता है। फिल्म का सामाजिक संदेश शून्य है। बेशक साउथ की अनेकों फिल्मों ने समाज को बेहतर संदेश दिया है। पुष्पा भाग एक के आसपास वर्ष 2022 में रिलीज निर्माता निर्देशक एसएस राजमौली द्वारा निर्देशित फिल्म आरआरआर ने जहां देशभक्ति के संदेश दिया। रामचरण और जूनियर एनटीआर दोनों की सराहनीय भूमिका रही थी। फिल्म के गाने भी संदेश प्रदान थे। इस फिल्म के नाचोनाचो गाने से भी राष्ट्रप्रेम का अलख जगाया था। आरआरआर और पुष्पा की तुलना करने का मकसद किसी की तारीफ ओर आलोचना करना बिल्कुल नहीं है। अभिनय एक कला है। अभिनेता कहानी के हिसाब से अपने अभिनय को अंजाम देता है। फिल्म में अल्लू अर्जुन ने श्रेष्ठ अभिनय किया है। फहद फासिल भी अच्छे कलाकार साबित हुए। पुष्पा फिल्म भरपूर मनोरंजक फिल्म है। जिसका सामाजिक संदेश शून्य है। फिल्में इससे पूर्व भी ऐसी बन चुकी है, बनेगी भी पर पुष्पा की चर्चा इसलिए क्योंकि जनता इसे देख रही है, फिल्म कमाई के रिकार्ड बना रही है। एक ऐसी फिल्म जिसमें आपराधिक चरित्र को महिमामंडित किया गया है और आपराधिक गठजोड़ को दिखाया गया है।

व्यक्तिगत जानकारी उजागर करते पैन और आधार कार्ड

संजीव ठाकुर

हिंदुस्तान की आबादी की 141करोड़ जनसंख्या में से 120 करोड़ जनमानस के पास आधार कार्ड है और पैन कार्ड धारकों की भी संख्या अब करोड़ों में पहुंच चुकी है। ये आंकड़े सरकार के पास भी हैं जो अक्सर यह संदेह पैदा कतें है कि इसका कही दुरुपयोग होकर कहीं आपके निजी जीवन में हस्तक्षेप तो नहीं किया जा रहा है। सरकार द्वारा समस्त शासकीय सुविधाओं की प्राप्ति के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं मोबाइल सिम के लिए आधार कार्ड की अनिवार्यता लागू कर दी गई है। यह बात तो सर्वविदित है कि मोबाइल में सिम कार्ड लेते वक्त आधार कार्ड की अनिवार्यता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण तो है ही पर इसमें कभी-कभी यह आशंका भी होने लगती है कि भारत में निवास करने के लिए आधार के रूप में निजी जीवन में कहीं दखलअंदाजी तो नहीं है अथवा व्यक्ति के जीवन में उसकी निजता पर प्रहार तो नहीं है।

चूंकि आधार कार्ड व्यक्ति की निजी पहचान को अपने में सम्मिलित करता है और इसकी अनिवार्यता से व्यक्ति की निजी पहचान का दुरुपयोग हो सकता है। व्यक्ति कहां क्या गतिविधियां कर रहा है यह आधार की अनिवार्यता के साथ सरकार के पास सारी जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे सरकार द्वारा अथवा डाटा संग्रहण केंद्र के माध्यम से किसी भी हैकर द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है ।जो व्यक्तिगत इच्छा के विपरीत है और यदि सरकार आधार से संबंधित आंकड़े किसी अन्य पक्ष के साथ साझा करती है तो इसके दुरुपयोग की संभावना प्रबल हो जाती है। आधार कार्ड के दुरुपयोग की दूसरी समस्या इसके राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में उपयोग किए जाने की हो सकती है। राजनीति में सत्ता पक्ष की जितनी भूमिका होती है विपक्ष की भूमिका उससे अधिक होती है। आधार कार्ड के आंकड़ों के माध्यम से कोई भी सत्ता पक्ष, विपक्ष की इस भूमिका को सीमित करने का प्रयास कर सकता है। आधार कार्ड की अनिवार्यता के साथ विपक्षी राजनेताओं के संवादों को टेप कर रणनीति का पूवार्नुमान लगाना सत्ता पक्ष की मंशा हो सकती है,इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। पर इसके कई फायदे भी हैं ,आधार कार्ड की पैन कार्ड में अनिवार्यता ने वर्षों से टैक्स की छूट ले रहे फर्जी पैन कार्ड धारकों के हितों में चोट तो की है। इससे सरकार के कर संग्रहण में बढ़ोतरी होने से योजनाओं के लिए धन आवंटन एवं भौतिक सामाजिक निवेश में वृद्धि होगी। आधार कार्ड की अनिवार्यता से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता नहीं बढ़ाया जा सकता है क्योंकि इससे सरकार के पास वास्तविक सफलता के आंकड़े भी उपलब्ध होंगे जो बेहतर नीति निर्माण के लिए सहायक भी होगी।

विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि भले ही निजता का अधिकार मौलिक अधिकार हो किंतु सरकार द्वारा जनकल्याण के कार्यों के लिए उसका अतिक्रमण किया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक सरकार का प्रथम एवं अंतिम उद्देश्य लोक कल्याणकारी रूप में स्वयं को स्थापित करना है। यदि लोक कल्याण के लिए सरकार व्यक्तियों के आंकड़ों का संग्रहण करती है उसे उचित माना जाना चाहिए। शर्त यह है कि सरकार विधि सम्मत स्थापित कर दें कि उन एकत्रित आंकड़ों का दुरुपयोग कि किन्ही भी स्थिति में नहीं किया जाएगा। व्यक्ति की निजता एक अखंडनिय अधिकार है, किंतु इसकी निरंतरता के लिए सरकार का सहयोग अपनी कर्तव्यनिष्ठा का पालन भी आवश्यक है। व्यक्ति को चाहिए कि वर्तमान डिजिटल युग के खतरों को भांपते हुए निजी पहचान को किसी भी अनाधिकृत वेबसाइट अथवा व्यक्ति को देने से बचें क्योंकि निजता का वास्तविक खतरा उससे है,ना कि सरकार के आंकड़ों के संग्रहण से है। आंकड़ों की उपलब्धता सरकार के लिए अत्यंत आवश्यक भी है और अनिवार्य भी है। किंतु सरकार को यह आश्वासन देना होगा कि एकत्रित आंकड़ों का किन्हीं भी परिस्थितियों में दुरुपयोग नहीं किया जाएगा और व्यक्ति की निजता पर किसी तरह की आंच आने की संभावना नहीं होगी। आज इंटरनेट हमें देख रहा है हमारी प्रत्येक गतिविधि पर नजर है, कल टीवी पर भी हमें देखेगा हमारी सूचियों की जानकारी रखेगा इससे यह लाभ होगा कि हमारा जीवन सरल हो जाएगा किंतु कीमत होगी हमारी निजता की इस पर खतरा ना हो तो सारी सुविधाएं मानवीय पहलुओं को सहायता करना ही है। आज के डिजिटल युग में हमें किसी किसी भी साइट अथवा किसी भी चैनल को अपना आधार कार्ड नंबर तुरंत नहीं बताना चाहिए इससे साइबर अपराध को बढ़ोतरी मिलती है एवं धन हानि की संभावना ज्यादा होने लगेगी।

अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा राष्ट्र दृष्टिकोण में, न कि नाम जपने में

-प्रियंका सौरभ

बाबासाहेब अम्बेडकर की विरासत पर चल रहा राजनीतिक विवाद, इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे राजनेता, विशेष रूप से प्रमुख जातियों के, जाति-आधारित भेदभाव को सम्बोधित किए बिना इसका शोषण करते हैं। यह इस बात पर जोर देता है कि दलित केवल पहचान के लिए नहीं, बल्कि सम्मान, समानता और अवसरों के लिए लड़ते हैं और राष्ट्र के लिए अम्बेडकर के दृष्टिकोण पर जोर देते हैं। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अम्बेडकर के समर्थकों द्वारा ाईश्वर की गलत खोजा के बारे में हाल ही में की गई टिप्पणियों ने आधुनिक भारत में जाति व्यवस्था की निरंतरता पर चचाओं को फिर से हवा दे दी है। इन टिप्पणियों ने इस बात पर बहस छेड़ दी है कि क्या वे जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ दशकों से चल रही सक्रियता को कमजोर करती हैं। बी.आर. अम्बेडकर के विचार और दृष्टिकोण अत्यधिक प्रासंगिक बने हुए हैं, जो न केवल दलितों के लिए बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। अम्बेडकर के सिद्धांतों को चुनिंदा रूप से अपनाना और हाशिए पर पड़े समूहों से सम्बंधित मुद्दों पर अपर्याप्त ध्यान उनके मिशन के सार को कमजोर करता है। अम्बेडकर को देवता बनाने की प्रथा सामाजिक परिवर्तन और दलित समुदाय को सशक्त बनाने में उनके अपार योगदान में निहित है।

राजनेता, जिनमें से अधिकांश प्रमुख जातियों से हैं, जातिगत भेदभाव को सम्बोधित किए बिना अंबेडकर की विरासत पर बहस कर रहे हैं। कांग्रेस ने ऐतिहासिक रूप से अंबेडकर की पहल का विरोध किया, आरक्षण और मंडल आयोग की सिफारिशों का विरोध किया। पार्टी ने जातिगत वास्तविकताओं को सम्बोधित करने के बजाय दलितों को एक गरीब वर्ग (ागरीब जनताा) के रूप में माना। बजट आवंटन के बावजूद दलितों को अभी भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो 50-60 साल पहले की तरह ही है। अंबेडकर की विरासत पर संसद की बहस प्रमुख जाति के राजनेताओं के बीच जातिगत प्रवचन की सतहीता को उजागर करती है। बुलंद बयानबाजी के बावजूद, जाति-आधारित भेदभाव प्रणालीगत बना हुआ है, जिसका सबूत दलितों के खिलाफ हिंसा जैसी चल रही घटनाओं से मिलता है। दलितों के मुद्दों को उठाने में इंडिया ब्लॉक की तीव्रता हाशिए पर पड़े समूहों के संघर्षों की वास्तविक समझ की कमी के विपरीत है। सरकार ने महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम,

सरकार ने महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 जैसी पहल की है। इसने अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने के लिए पंच तीर्थ स्थलों का निर्माण कर-के दलितों की गरिमा पर जोर दिया। ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य दलितों सहित हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना है। हाल के वर्षों में भाजपा में दलितों का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ा है। इन प्रयासों के बावजूद, जाति-आधारित भेदभाव जारी है, जिसमें दलित व्यक्ति पर पेशाब करने जैसी घटनाएँ शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल, जैसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम और पंच तीर्थ स्थलों का उद्देश्य दलितों के सम्मान और विमर्श को ऊपर उठाना है। भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर दलित नेताओं को अभूतपूर्व रूप से शामिल किया है। अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को अपनाने में निहित है, न कि केवल उनका नाम जपने या उनकी छवि का आह्वान करने में। बाबासाहेब अंबेडकर एक पूजनीय व्यक्ति बने हुए हैं, जो दलितों की सम्मान और समानता की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं। उनकी विरासत दलितों से आगे तक फैली हुई है, जो भेदभाव और राष्ट्र निर्माण पर व्यापक चचाओं को प्रभावित करती है।

2023 जैसी पहल की है। इसने अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने के लिए पंच तीर्थ स्थलों का निर्माण करके दलितों की गरिमा पर जोर दिया। ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य दलितों सहित हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना है। हाल के वर्षों में भाजपा में दलितों का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ा है। इन प्रयासों के बावजूद, जाति-आधारित भेदभाव जारी है, जिसमें दलित व्यक्ति पर पेशाब करने जैसी घटनाएँ शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल, जैसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम और पंच तीर्थ स्थलों का उद्देश्य दलितों के सम्मान और विमर्श को ऊपर उठाना है। भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर दलित नेताओं को अभूतपूर्व रूप से शामिल किया है।

अंबेडकर के विचार दलितों से परे हैं, जो सभी हाशिए पर पड़े समूहों के लिए भेदभाव और असमानता का समाधान प्रस्तुत करते हैं। ध्यान अस्तित्व से हटकर समान अवसर और शासन और प्रशासन में प्रतिनिधित्व की आकांक्षाओं पर केंद्रित हो गया है। अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को अपनाने में निहित है, न कि केवल उनका नाम जपने या उनकी छवि का आह्वान करने में। बाबासाहेब अंबेडकर एक पूजनीय व्यक्ति बने हुए हैं, जो दलितों की सम्मान और समानता की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं। उनकी विरासत दलितों से आगे तक फैली हुई है, जो भेदभाव और राष्ट्र निर्माण पर व्यापक चचाओं को प्रभावित करती है। दलित केवल पहचान की राजनीति से परे समान अवसर, शासन में समानता और अपनी आकांक्षाओं के लिए सम्मान चाहते हैं। उनका संघर्ष आकांक्षा और राष्ट्रीय समावेशिता के व्यापक विषयों को शामिल करता है। दलित पहचान के संकट से नहीं जूझ रहे हैं; उनका संघर्ष सम्मान, मान्यता, अवसर और समानता पर केंद्रित है। अंबेडकर से लेकर कांशीराम, मायावती और रामविलास पासवान जैसे नेताओं तक, दलित आंदोलन लचीलेपन और आकांक्षाओं की विरासत पर आधारित है। दशकों से तुष्टिकरण की राजनीति ने दलितों को वंचित रखा है, कुछ लाभ प्रदान किए हैंजबकि समानता की उनकी आकांक्षाओं को दबा दिया है।

अंबेडकर की विरासत पर बहस आधुनिक भारत में जातिगत भेदभाव की निरंतरता को रेखांकित करती है। जाति मानव समानता और सम्मान के साथ सबसे महत्त्वपूर्ण विश्वासघात बनी हुई है, जो सच्ची सामाजिक प्रगति में बाधा डालती है। जाति-आधारित पूर्वाग्रहों को चुनौती देने और समुदायों में आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के लिए अभियानों और शैक्षिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करें। भेदभाव विरोधी कानूनों को लागू करें और जाति-आधारित हिंसा और असमानता के लिए कठोर दंड का प्रावधान करें। दलितों और अन्य हाशिए के समूहों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसरों तक पहुँच का विस्तार करें। सामूहिक गौरव को प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर अंबेडकर जैसे दलित नेताओं के योगदान को पहचानें और उनका सम्मान करें। शिकायतों को दूर करने और विश्वास बनाने के लिए समुदायों के बीच खुली चर्चा की सुविधा प्रदान करें। राजनीतिक नेताओं से विभाजनकारी बयानबाजी से बचने और सामाजिक न्याय के लिए नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करें। समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए शासन, शिक्षा और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में दलितों का प्रतिनिधित्व बढ़ाएँ। हाशिए के समुदायों के भीतर समानता और सम्मान की वकालत करने वाली स्थानीय पहलों का समर्थन करें।

संसद की कार्य उत्पादकता का लगातार कम होना संसदीय प्रणाली को विफल कराने की साजिश है

संसद का शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा एक दूसरे को अपनी अपनी ताकत दिखाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अडाणी मुद्दे को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ संसद का सत्र अम्बेडकर मुद्दे पर हंगामे के साथ खत्म हुआ। सत्र के दौरान संविधान पर चर्चा जरूर हुई लेकिन संसदीय व्यवधान का नया रिकॉर्ड भी बना दिया गया। 20 दिनों के इस सत्र के रिपोर्ट कार्ड की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। लोकसभा इन 20 दिनों में चार विधेयक ही पारित कर पाई। राज्यसभा में तो 40.03 प्रतिशत ही कामकाज हो सका और पूरे सत्र में कुल दो विधेयक पारित हुए।

बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई?

देखा जाये तो वर्तमान संसद का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। इससे पिछली लोकसभा के भी लगभग सभी सत्र हंगामेदार रहे थे। पिछले कुछ सत्रों की कार्य उत्पादकता पर गौर करें तो जो आंकड़े सामने आते हैं वह चिंताजनक स्थिति को दर्शाते हैं। सत्र की कार्य उत्पादकता का 45%, 35 प्रतिशत और 24 प्रतिशत के आसपास रहने से हमारी संसदीय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हो रहे हैं। सदन में जो कामकाज होता है वो भी हंगामे के बीच होता है यानि शोरशराबे के बीच क्या नए कानून बन गए यह देश को पता ही नहीं चल पाता। साथ ही संसद के कामकाज का प्रतिशत लगातार कम होते जाने से एक सवाल और खड़ा होता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दशार्ना चाहते हैं? कहीं हमारी संसदीय प्रणाली को विफल कराने के लिए कोई साजिश तो नहीं की जा रही है? विपक्ष लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता। देखा जाये तो अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की उम्मीदों और सरकारी खजाने से धन की बबार्दी की ही नहीं है, बात अब यह भी है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये? वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें?

बहरहाल, पिछले वर्ष संसदीय व्यवधान पर पीड़ा व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोकतंत्र के मंदिर में ऐसे आचरण के विरुद्ध माहौल और जनमत तैयार करने के लिए जनांदोलन चलाने का जो आह्वान किया था वह आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। संसद के कामकाज में लगातार व्यवधानों के चलते कीमती समय तो बर्बाद होता ही है साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर जवाब देने से सरकार को भी बचने का अवसर मिल जाता है। इसलिए उपराष्ट्रपति की ओर से किये गये आह्वान से देश की जनता को जुड़ना चाहिए और जनप्रतिनिधियों को यह अहसास कराना चाहिए कि सदन चर्चा के लिए बने हैं ना कि हंगामे और अपने राजनीतिक हित साधने के लिए।

घाटकोपर पश्चिम में रक्तदान शिविर का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मौजूदा समय में मुंबई के मनपा और निजी अस्पताल में खून की भा कमी देखने को मिल रही है। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के वार्ड नंबर 127 के वार्ड अध्यक्ष गणेश भगत के जन्मदिन के अवसर पर इलाके के सौ युवाओं ने रक्तदान किया और भगत को अनोखे जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। घाटकोपर. पश्चिम कातोड़ीपाड़ा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल भटवाड़ी में पल्लवी ब्लड बैंक के सहयोग से वार्ड अध्यक्ष गणेश भगत के जन्मदिन के अवसर पर भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गणेश भगत ने रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को आदर्श रक्तदाता पुरस्कार देकर सम्मानित किया. शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया। इस शिविर में भाजपा के अनिल निर्मले, रमेश शिंदे, नुपुर सावंत, विशाखा घडशी, सूरज हनीफ, राजेश अहिरे, रवींद्र दाभाड़े, तुषार साहिल, विनोद जाधव आदि शामिल हुए।

कल्याण पूर्व में अपना कल्याण महोत्सव का शानदार उद्घाटन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्वे में अपना कल्याण महोत्सव का उद्घाटन बड़े धूमधाम से किया गया। अपना कल्याण महोत्सव प्रतिष्ठान के संस्थापक महेश गायकवाड़ के शुभ करकमलों से श्रीफल तोड़कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस वर्ष की विशेषता मां तुलजाभवानी देवी और शनिशिंगणापुर मंदिर की प्रतिकृति है। महोत्सव के माध्यम से ऐतिहासिक कल्याण शहर की संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही यह महोत्सव महाराष्ट्र की विभिन्न खाद्य संस्कृति को प्रदर्शित करेगा। खाने के शौकीन लोगों के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार के फूड स्टॉल मौजूद है, जहां वे हर रोज नए-नए और स्वादिष्ट खानों का स्वाद ले सकेंगे। आपन कल्याण महोत्सव में अगले आठ दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। महोत्सव के पहले दिन ही लोगों की भारी भीड़ नजर आई। उदघाटन समारोह में महेश गायकवाड के साथ अपना कल्याण महोत्सव प्रतिष्ठान के अध्यक्ष दिलीप दखिनकर, महोत्सव के अध्यक्ष कृष्णा पाटिल, उपाध्यक्ष प्रशांत बोटे, चैनू जाधव, सुमेध हुमने, शिवदास गायकवाड, अविनाश गायकवाड, प्रशांत पाटिल, चंद्रसेन सोनावले आदि आयोजक एवं मान्यवर उपस्थित थे।

वर्क-लिंक्ड डिग्री की बढ़ती मांग, लेकिन सिर्फ 2% संस्थान तैयार

मुंबई। टीमलीज एडटेक द्वारा हाल ही में किए गए सर्वे में यह सामने आया है कि भारतीय छात्रों का उच्च शिक्षा को लेकर नजरिया तेजी से बदल रहा है। इस सर्वे में शामिल 85% छात्रों ने भविष्य के लिए वर्क-लिंक्ड डिग्री प्रोग्राम को प्राथमिकता दी है। हालांकि, इतनी अधिक मांग के बावजूद, वर्तमान में 2% से भी कम उच्च शिक्षा संस्थान ऐसे प्रोग्राम उपलब्ध कराते हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में तुरंत बदलाव की जरूरत है। इस सर्वे में पूरे भारत के 10,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इसके नतीजों से यह स्पष्ट है कि छात्र अब व्यावहारिक अनुभव और नौकरी के लिए जरूरी कौशल को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं। इसमें खास बात यह है कि 80% छात्रों का मानना है कि उनके सीवी (व?यक्तिगत जानकारी) में वर्क एक्सपीरियंस (कार्य के अनुभव) से उन्हें बेहतर सैलरी वाली नौकरियां मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इसके साथ ही, 40% छात्रों ने वर्क-लिंक्ड डिग्री को प्राथमिकता देने की वजह आर्थिक स्वतंत्रता को बताया। इसके अलावा, 66% छात्रों ने पढ़ाई के शेड्यूल में लचीलापन पसंद करने की बात कही, जबकि 56% छात्रों ने ऑन-द-जॉब मेंटरशिप को महत्व दिया। ऐसे वर्क-लिंक्ड डिग्री प्रोग्राम छात्रों की सीखने की इच्छाओं और उनके करियर लक्ष्यों के साथ बेहतर तालमेल बैठाते हैं। यह सर्वे उच्च शिक्षा संस्थानों को यह संकेत देता है कि उन्हें लचीले और कौशल-आधारित कार्यक्रमों को अपनाने की जरूरत है। ये प्रोग्राम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ) 2020 के उद्देश्यों और छात्रों की बदलती आकांक्षाओं के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। टीमलीज एडटेक के फाउंडर और सीईओ शांतनु रूज ने इन निष्कर्षों पर बात करते हुए कहा कि, छात्रों की वर्क-लिंक्ड डिग्री में बढ़ती दिलचस्पी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए खुद को नए सिरे से तैयार करने का एक शानदार अवसर है। हालांकि, संस्थानों द्वारा नई चीजों को धीरे-धीरे अपनाने की गति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

फेडरल बैंक का इकोफाई के साथ सहयोग

मुंबई। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक फेडरल बैंक ने एवरसोर्स कैपिटल द्वारा समर्थित भारत के पहले ग्रीन-ओनली एनबीएफसी इकोफाई के साथ हाथ मिलाने की घोषणा की है। इसके जरिये कमर्शियल रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन में निवेश करने वाले एमएसएमई के लिए इनोवेटिव फाइनेंसिंग सॉल्युशन प्रदान किए जा सकेंगे। यह सहयोग एमएसएमई क्षेत्र की अनूठी सोलर फाइनेंसिंग आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई पहली व्यापक को-लैंडिंग साझेदारी में से एक है।

इस कार्यक्रम का लक्ष्य सालाना 3,600 किलोवॉट के रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को फाइनेंसिंग करना है, जिससे कई एमएसएमई को लाभ होगा और हर साल 2,500 टन से अधिक कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में कटौती होगी - जिससे डीकाबोर्नाइजेशन में तेजी आएगी और स्थिर विकास को बढ़ावा मिलेगा। अधिकांश मैन्युफैक्करिंग एमएसएमई मुख्य रूप से दिन के उजाले में बिजली का उपयोग करते हैं, जिससे रूफटॉप सोलर एक आदर्श समाधान बन जाता है। हालांकि, फाइनेंशियल बाधाओं ने पारंपरिक रूप से अक्षय ऊर्जा में उनके संक्रमण में बाधा डाली है, कई संस्थान या तो उधार देने में इच्छुक नहीं नजर आते हैं या निषेधात्मक रूप से उच्च ब्याज दरों पर ऋण दे रहे हैं।

कल्याण पूर्व के विकास के लिए विधायक सुलभा गायकवाड़ ने नागपुर अधिवेशन में उठाये महत्वपूर्ण प्रश्न

चेतन निर्मल संवाददाता
कल्याण (उत्तरशक्ति)। विधायक सुलभा गणपत गायकवाड़ ने कल्याण पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में नागरिक मुद्दों और विकास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए नागपुर अधिवेशन में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए। तीसगांव नाका से सिद्धार्थ नगर होते हुए कल्याण पूर्व में काटेमानीवली नाका तक यू-टाइप सड़क का चौड़ीकरण क्षेत्र के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने मांग की है कि इस सड़क के चौड़ीकरण का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए और प्रभावित परियोजना पीड़ितों के उचित पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ठोस कदम उठाए।

जल आपूर्ति के लिए पर्याप्त प्रावधान: विधानसभा क्षेत्र में बढ़ती आबादी की जरूरतों को समझते हुए जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार के लिए तत्काल धनराशि उपलब्ध करायी जानी चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि बड़े पानी के टैंकों के निर्माण और नई पाइपलाइन बिछाने के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाए।

खेल के लिए मैदान का निर्माण: विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को उत्कृष्ट खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 100 फीट रोड पर आरक्षित भूखंड पर शीघ्र खेल का मैदान बनाया जाए। उन्होंने सत्र में यह भी मांग की कि इस परियोजना के लिए तुरंत धन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

कल्याण पूर्व के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता: नागरिकों की अपेक्षाओं और विकास की जरूरतों से अवगत कराते हुए सुलभा गायकवाड़ ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में हर नागरिक सुविधा का स्तर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया है।

महाराजा बिजली पासी जयंती समारोह आज ठाणे में

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक उत्थान और एकजुटता के प्रतीक महाराजा बिजली पासी की जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय पासी विकास मंडल, मुंबई शाखा ठाणे की ओर से रविवार, 22 दिसंबर को शाम 6 बजे ठाणे (पश्चिम) के वसंत विहार, पवारनगर स्थित डॉ. काशिनाथ घाणेकर नाट्यगृह में महाराजा बिजली पासी जयंती समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम आयोजक और मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय पासी ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन में मुंबई के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में पासी समाज के लोग भाग ले रहे हैं। इस समारोह में महाराजा बिजली पासी के जीवन, उनके संघर्ष और समाजसेवा के कार्यों पर प्रकाश डाला जाएगा। समारोह में प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विशेष अतिथि पूर्व सांसद बीपी सरोज, उद्योगपति कल्पना सरोज, वीडियोकॉन के उपाध्यक्ष सीपी सरोज, एसपी वर्मा, बलिराम सरोज, संस्था के पूर्व अध्यक्ष मिठाईलाल सरोज, डॉ. रामशंकर भारती, राकेश सरोज, सुनिता सरोज, सुरेशचंद्र सरोज, गोपाल सरोज, उमेश पासी, अशोक सरोज, रामचंद्र पासी, उदयराज पासी, अनिल पासी, विरेन्द्र पासी, रामनारायण पासी, शिवशंकर पासी और मुन्नालाल पासी उपस्थित रहेंगे।

मुंबई में सामाजिक संगठनों द्वारा मणिपुर में कैंसर जागरूकता शिविर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। छवि सहयोग फाउंडेशन (मणिपुर प्रांत) द्वारा देव देश प्रतिष्ठान, मुंबई और साईधाम कैंसर अस्पताल शिर्डी के सहयोग से इम्फाल पूर्व, एंड्रो गांव, मणिपुर में एक कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। ये तीन सामाजिक संगठन मणिपुर के लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल में सुधार और त्वरित उपचार के उद्देश्य से कैंसर पर काम कर रहे हैं। एंड्रो गांव में आयोजित इस शिविर में महिलाओं और बुजुर्गों की जांच की गई. इस शिविर में 50 से अधिक महिलाओं एवं 25 पुरूषों ने भाग लिया। छबी सहयोग फाउंडेशन, देव देश प्रतिष्ठान पूरे देश में कैंसर की जानकारी और त्वरित निदान के लिए काम कर रहा है। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल कोश्यारी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने भी संस्थान की सराहना की है. मणिपुर में आयोजित कैंसर शिविर में आशा कार्यकर्ता एस शांतिदेवी, कार्यक्रम अध्यक्ष छ कुंडमले, छ तोंबि ने भाग लिया। इस शिविर की सफलता के लिए पार्थो रॉय ने विशेष प्रयास किये।

पेसा ग्राम पंचायत में 24 दिसंबर को मनाया जायेगा 'पेसा दिवस'

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। केंद्र सरकार के पंचायत राज मंत्रालय द्वारा 24 दिसंबर को 'पेसा दिवस' के रूप में मनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने जिले की पेसा ग्राम पंचायतों में विभिन्न उपक्रमों का आयोजन करके पेसा दिवस मनाने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि 24 दिसंबर 2024 को पेसा कानून लागू होने की 28वीं वर्षगांठ है, इसलिए पंचायती राज मंत्रालय ने इस दिन को 'पेसा दिवस' के रूप में मनाने का निर्देश दिया है। पेसा दिवस के अवसर पर ग्राम सभा सदस्यों, पंचायत सदस्यों के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को क्षमता निर्माण और उनमें जन जागरूकता बढ़ाने कानून के कार्यान्वयन में भागीदारी के लिए विभिन्न जागरूकता बढ़ाने वाली गतिविधियां चलाने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने पेसा दिवस के कार्यक्रमों के साथ-साथ सभा, प्रशिक्षण, कार्यशाला आयोजित कर पेसा अधिनियम के प्रावधानों को पढ़ने का निर्देश दिया है। पेसा एक्ट के तहत वन विभाग, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, खनन विभाग को आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने का भी निर्देश दिया गया है। तदनुसार, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे के मार्गदर्शन में, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप ने बताया है कि जिला परिषद के ग्राम पंचायत विभाग से ग्राम पंचायत के अंतर्गत सभी पेसा गांवों में गतिविधियों का आयोजन करने के लिए गट विकास अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने कहा कि जिले में पेसा ग्राम पंचायत के अंतर्गत पेसा ग्रामों में पेसा अधिनियम के प्रति जन जागरूकता पैदा की जाये, पेसा अधिनियम के बारे में नागरिकों को जानकारी देने के लिए विभिन्न उपक्रम आयोजित किए जाये, नागरिक भी इन गतिविधियों में भाग लेकर पेसा दिवस मनायें।

घाटकोपर पूर्व के कामराज नगर प्रभाग क्रमांक 133 में गत दिनों डाबर कंपनी का अचार और सब्जी मशाला वितरित किया गया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से स्थानीय समाजसेवक रामजी शुक्ला, सौ. सबिता कांबळे, जमील खान, सुषमा त्रिपाठी, गुड्डू सिद्दीकी, असरफ शेख उपस्थित थे।

पालघर जिले में ईंट भट्टे पर प्रवासी लाभार्थियों के स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदेशानुसार 19 दिसंबर 2024 को पालघर जिले में ईंट भट्ठे पर प्रवासी लाभार्थियों के स्वास्थ्य जांच के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस स्वास्थ्य जांच के लिए जिले के सभी आठ तालुकाओं में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इसके लिए प्रत्येक स्थान पर नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये थे। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने दहानू तहसील में जामशेत (कामडीपाड़ा) का दौरा किया और प्रत्येक माह के तीसरे गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उनके साथ प्रवीण भावसार (जिला कार्यक्रम अधिकारी), अतुल पारस्कर कर (उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मनरेगा), बाल विकास परियोजना अधिकारी, साथ ही तहसील चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान ईंट भट्ठा पर प्रवासी लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं 0-6 वर्ष के बच्चों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। लाभार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं पर विचार किया गया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मौका मुआयना के दौरान पाया कि निरीक्षण व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने स्वास्थ्य जांच हेतु की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा इसके लिए स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के कार्यों की सराहना की। यह कार्यक्रम प्रवासी लाभार्थियों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी इसके लिए जिला प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसी सतत सेवा प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है।

एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित पर्यवेक्षकों हेतु बाल शिक्षा प्रमाणपत्र आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राज्य शैक्षिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (एस.सी.ई.आर.टी.), पुणे द्वारा पर्यवेक्षकों के लिए पालघर जिले के उषा रिसॉर्ट में बाल शिक्षा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रशिक्षण पालघर जिले में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। चार दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में पालघर जिले के 70 पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में बाल शिक्षा के सिद्धांतों, पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारियों, आंगनवाड़ी सेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक कौशल और बाल-केंद्रित शिक्षा विधियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि प्रशिक्षण से पर्यवेक्षकों को अपने कार्यक्षेत्र में अधिक कुशलतापूर्वक व प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण भावसार, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी (शहरी, ग्रामीण, आदिवासी) एवं डाइट केन्द्र के प्राचार्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समापन पर महिला एवं बाल विकास विभाग

की उपायुक्त उपस्थित रहीं और उन्होंने प्रशिक्षण के आयोजन की सराहना करते हुए प्रतिभागी पर्यवेक्षकों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण भावसार ने अमूल्य सहायता प्रदान की। उनकी सक्रिय भागीदारी ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बना दिया। एस.सी.ई.आर.टी. और महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से प्रशिक्षण सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। भाग लेने वाले पर्यवेक्षकों ने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए सिद्धांतों पर संतुष्टि व्यक्त की और विभाग की पहल की सराहना की।

जिला परिषद पालघर द्वारा तलासरी में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। तलासरी परियोजना की बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) उज्वला नांगरे की पहल पर शुक्रवार 20 दिसंबर 2024 को गिरगांव कडुपाड़ा में एक महिला सभा का आयोजन किया गया। यह सभा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्या जयवंती घोरखना, सरपंच लक्ष्मण घोरखना, ग्राम पंचायत सदस्य ललिता संदीप दुमाड़ा, चंचला किसन आडगा मौजूद थे।

इस अवसर पर यशराज फाउंडेशन के संतोष शिवाजी काढोले और प्रथम संस्था की कल्पना उराडे ने महिलाओं को आत्मनिर्भरता, पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर मार्गदर्शन किया। आशा की गई कि महिलाओं को इस मार्गदर्शन का उपयोग अपने दैनिक जीवन में करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। म्यूजिकल चेयर, खाना पकाने की प्रतियोगिता और पानी की बोतल भरने के खेल जैसी प्रतियोगिताओं ने महिलाओं के बीच उत्साह और खुशी का माहौल बनाया।

इस सभा के दौरान महिलाओं को निम्लिखित सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए

1. महिलाओं को स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण हेतु प्रेरित किया गया।
2. महिलाओं में एकता एवं सामाजिक मेलजोल की भावना बढ़ी।
3. महिलाओं को मार्गदर्शन के जरिए नये कौशल हासिल करने का मौका मिला।
4. विभिन्न गतिविधियों ने महिलाओं को विश्राम और मनोरंजन का आनंद लेने की अनुमति मिली।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए तलासारी परियोजना के सीडीपीओ और उनकी टीम को बहुमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं महिलाओं ने कार्यक्रम की सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की जाती रहेंगी। इस अवसर पर सीडीपीओ ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह कदम तलासरी परियोजना की महिलाओं के लिए प्रेरणादायी होगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

प्रियांशू यादव का हत्यारोपित गिरफ्तार, चाकू बरामद

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आपसी विवाद को लेकर हुई चाकू बाजी में घायल प्रियांशू यादव पुत्र रामयश के इलाज के दौरान मौत के मामले हत्यारोपित को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान न्यायालय प्रेषित कर दिया। बताया जाता है की शनिवार की सुबह लगभग सात बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की प्रियांशू यादव हत्याकांड मामले का आरोपित क्षेत्र के मलमला पुलिया के खड़ा कहीं भागने के फिराक में है। सूचना मिलने पर तत्काल हरकत में आई कोतवाली पुलिस के प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह, आरक्षी जितेंद्र पांडेय, बृजेश मिश्रा, आशीष कुमार, ज्ञानप्रकाश सिंह की टीम ने उक्त स्थान पर पहुंच कर घेरेबंदी कर उक्त वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाई। जहां पूछताछ करने पर उसने अपना नाम शिव कपूर पुत्र रामकुमार निवासी काशीराम आवास कालोनी कोतवाली शाहगंज बताया। आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद आरोपी का चालान न्यायालय प्रेषित कर दिया गया।

बतातें चले की बीते गुरुवार को नगर के आजमगढ़ रोड स्थित काशीराम आवास कालोनी के स्थित मंदिर के बगल में युवकों के दो गुटों में आपसी विवाद को लेकर चाकूबाजी हो गयी थी। जिसमे प्रियांशू यादव पुत्र रामयश और शुभम यादव पुत्र धर्मेंद्र यादव चाकू की वार से बुरी तरह घायल हो गए थे। जिसमें इलाज के दौरान प्रियांशू यादव की मौत हो गयी थी। जबकि शुभम यादव का इलाज अभी भी चल रहा है।

जेठ ने विवाहिता को पीट कर किया घायल, मामला पहुंचा कोतवाली

विशाल सोनी, शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पट्टीदारी के विवाद के चलते एक विवाहिता को उसके जेठ ने ही पीट कर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार नगर के पक्का पोखरा पश्चिमी कौड़िया निवासी 38 वर्षीय मंजू देवी को पट्टीदारी के विवाद के चलते शनिवार की दोपहर उसके दो जेठ ने मिलकर मारपीट कर घायल कर देने का आरोप मंजू देवी ने लगाया। घायल अवस्था मे कोतवाली पहुंची पीड़िता ने पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराया। कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

जनपद में डा.अवनीश सिंह ने 300 से अधिक घुटनों का प्रत्यारोपण कर बनाया कीर्तिमान

वाराणसी एवं लखनऊ से असंतुष्ट मरीज भी यश हॉस्पिटल के प्रख्यात चिकित्सक से लेने आते हैं सलाह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यश हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर के प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डा0 अवनीश कुमार सिंह ने जनपद में अब-तक 300 से अधिक घुटनों का प्रत्यारोपण कर नया कीर्तिमान बनाया है। उनके इस भारी-भरकम उपलब्धि से लोगों में हर्ष व्याप्त है। हड्डी रोग में महारथ हासिल करने वाले डा0 अवनीश सिंह के यहां वाराणसी एवं लखनऊ जैसे बड़े महानगरों से चेहरे पर मायूसी लेकर आने वाले मरीज भी ऑपरेशन के बाद मुस्कुराते हुए जाते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि कम समय में ज्यादा उपलब्धि हासिल करने वाले डा0 अवनीश मरीजों की सेवा करने में लगे हैं। उन्होंने एक ऐसे मरीज का प्रत्यारोपण किया है जिसे कई जनपद के चिकित्सक संतुष्ट नहीं कर पाए थे। अब वह पूरी तरह से ठीक होकर स्वास्थ लाभ ले रहा है। बताया जाता है कि सुल्तानपुर जिले की रजनी श्रीवास्तव उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी कुँवर बहादुर श्रीवास्तव घुटने से काफी परेशान थी। बीते छह वर्षों से वह दोनों पैरों से चल नहीं पा रही थी। सफल उपचार अथवा प्रत्यारोपण के लिए सुल्तानपुर के अलावा, भदोही, मीरजापुर, वाराणसी एवं राजधानी लखनऊ के नामी-गिरामी चिकित्सकों के पास गयी परन्तु कोई भी उन्हें संतुष्ट नहीं कर सका।

श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या के लिए रवाना, जयकारों से गूंजा नगर

प्रभारी मंत्री एके शर्मा ने नगर आयुक्त अयोध्या को दर्शन कराने की सौंपी जिम्मेदारी

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सर्व वैश्य समाज के दो सौ से अधिक श्रद्धालुओं का जत्था शनिवार को भगवान श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या दर्शन के लिए रवाना हुआ। अयोध्या के नगर आयुक्त को दर्शन कराने की जिम्मेदारी जौनपुर के प्रभारी मंत्री एके शर्मा ने सौंपा है। राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने प्रभारी मंत्री का आभार जताया है। सर्व वैश्य समाज के अध्यक्ष राजकुमार ऊमरवैश्य, मुख्य सलाहकार आलोक कुमार गुप्ता पिंटू, सलाहकार इंजी उमाशंकर गुप्ता व महिला मंडल अध्यक्ष सुमन जायसवाल ने संयुक्त रूप से मंत्रोच्चारण के साथ चारों बसों को भगवान श्री राम ध्वज दिखाकर रवाना किया। सर्व वैश्य समाज के द्वारा इस यात्रा में चार बसों से नई बाजार, कटरा, साहबगंज, गल्ला मंडी, सब्जी मंडी, अंजही, नईगंज, गुड़हाई, प्रतापगढ़ व स्टेशन रोड के महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों व बच्चों समेत दो सौ से अधिक लोगों को अयोध्या ले जाकर भगवान श्री राम मंदिर, हनुमान गढ़ी, सरयू घाट, राम की पैड़ी, दशरथ महल और अन्य महत्वपूर्ण स्थान के दर्शन कराया जाएगा। श्रद्धालुओं का जत्था मोहल्ला साहबगंज से नगर के मुख्य मार्ग जाते समय नगर की महिलाओं ने घरों की छतों से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सर्ववैश्य समाज के मुख्य सलाहकार आलोक गुप्ता व इंजी उमाशंकर गुप्ता ने कैबिनेट मंत्री व जौनपुर प्रभारी मंत्री एके शर्मा को पत्र माध्यम से भगवान श्री राम अयोध्या दर्शन के लिए गुहार लगाई थी। पत्र को संज्ञान में लेते हुए मंत्री ने नगर आयुक्त अयोध्या को सर्ववैश्य समाज श्रद्धालुओं को वीआईपी दर्शन एवं समुचित व्यवस्था कराने के लिए निर्देशित किया। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान श्रीराम जी की जयकारों से समूचा कस्बा गूंज उठा।इस अवसर पर भोजवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण आजाद,अध्यक्ष राजकुमार नेता, संदीप केसरी, राजीव ऊमरवैश्य,राजकुमार जायसवाल, मनीष केसरी, जगदंबा जायसवाल, आशीष ऊमरवैश्य, संदीप कसेरा, रंजीत गुप्ता, सुरेश सोनी, विक्की गुप्ता, पूजा ऊमरवैश्य, सत्यभामा, सुमन जायसवाल, सीता गुप्ता, प्रिया ऊमरवैश्य, संतोष भोजवाल समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

लड़की को भगाने के आरोप में दो पर केस दर्ज

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने दो युवकों पर उसकी बेटी को भगा ले जाने का आरोप लगाया है। परिजनों को आशंका है कि युवती को भगा ले जाने वाले उसके साथ कुछ गलत कर सकते हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और जांच में जुट गई है। कोतवाली क्षेत्र के उक्त गांव निवासी पिता ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी अम्बेडकरनगर जिले में तय की थी। बीते 9 दिसंबर को लड़का पक्ष के लोग वाले आने वाले थे। एक दिन पहले उसी गांव के युवक मो. जीशान ने उसे और उसकी बेटी को धमकी दी कि कहीं और शादी हुई तो वो दोनों को जान से मार देगा। आरोप है कि जीशान युवती को भगा ले गया। युवती अपने साथ 40 हजार रुपए का गहना और सात हजार रुपए नगद भी ले गयी। आरोप है कि युवक के दोस्त मो. साजिद ने दोनों को भगाने मे सहयोग किया। परिजनों को युवती के साथ कोई अनहोनी घटने की आशंका है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है।

मछलीशहर व सुजानगंज की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड में गो-तस्कर के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस कप्तान जनपद जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी मछलीशहर, विवेक सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में थाना मछलीशहर व थाना सुजानगंज की संयुक्त टीम द्वारा आपस में सर्किल क्षेत्र में घटित गोतस्करी के अपराध की रोकथाम के सम्बन्ध में बातचीत कर रहे थे कि सुजानगंज रोड पर पराहित गेट के पास चेकिंग के दौरान दो बादमाश सुजानगंज की तरफ से आते हुए दिखायी दिये जिसे पुलिस टीम के द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो सवार चालक मोटर साइकिल मोडकर पुनः सुजानगंज की तरफ भागने लगे थानाध्यक्ष मछलीशहर व टीम द्वारा बदमाश का पीछा करते हुए मुस्तफाबाद पहुचे थे। तभी कन्ट्रोल रुम की सूचना पर थानाध्यक्ष सुजानगंज मय हमराह मय सरकारी वाहन के आ रहे थे कि मोटर साइकिल सवार पुलिस वालो से घिरता हुआ देखकर मोटर साइकिल सवार दाहिने तरफ अपनी गाडी मोडकर भागने लगे ज्यो ही पुलिया पार करते समय गाडी पुलिया से टकरा कर गिर गये उनकी ओर बढे तो उन बदमाशो के द्वारा पुलिस कर्मियो को जान से मारने की नीयत से लक्ष्य बनाकर फायर किया गया जिसमे एक गोली थानाध्?क्ष मछलीशहर के पहने हुये वुलेट प्रूफ जैकेट के सीने की बायी तरफ लगी। पुलिस टीम द्वारा बदमाशो को आत्मसमर्पण करने हेतु बोले किन्तु नही माने जिस पर आत्मरक्षार्थ थानाध्यक्ष मछलीशहर के द्वारा अपनी सर्विस पिस्टल से एक राउण्ड फायर किया गया फायर के उपरान्त बदमाशो की तरफ से गोली चलना बन्द हो गया तब हम पुलिस द्वारा सिखलाये हुये तरीके से आगे बढे तो कुछ दूरी पर एक बदमाश दाहिने तरफ पडा कराह रहा था तथा दाहिने हाथ मे एक तमन्चा .315 बोर लिये हुये था तथा एक जिन्दा कारतूस नीचे गिरा हुआ था दुसरा व्यक्ति अंधेरे का लाभ लेकर भाग गया जिसकी तलाश हेतु पुलिस टीम को भेजा गया। मौके पर पड़ा घायल बदमाश आरिफ पुत्र मैनुद्दीन नि0 लमहन थाना महराजगंज जनपद जौनपुर जो एक गोतस्कर है को, समय करीब 00.16 बजे गिरफ्तार किया गया घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी मछलीशहर जौनपुर भेजा गया। सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

केराकत ब्लॉक के तीन प्राथमिक विद्यालयों का सीएमओ ने किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने केराकत ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले तीन विद्यालयों प्राथमिक विद्यालय केराकत पश्चिम, कन्या उच्च विद्यालय केराकत एवं प्राथमिक विद्यालय खेपतपुर का निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने विद्यालय पर बच्चों के लिए बनाए गए मिड डे मील की गुणवत्ता की परख किया। सभी विद्यालयों पर मिड डे मील मानक के अनुरूप मेनू के अनुसार बनाया गया था। विद्यालयों पर साफ-सफाई की व्यवस्था अच्छी थी। उन्होंने विद्यालय के बच्चों के साथ शैक्षिक वार्तालाप किया तथा बच्चों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया एवं हाथ धुलने के विषय में भी जानकारी दिया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय खेपतपुर पर आयोजित वी0एच0एन0डी0 सेशन एवं बी0एस0पी0एम0 के तहत बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाए जाने का भी निरीक्षण किया। सत्र पर विटामिन ए एवं अन्य टीके, दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थे। उन्होंने एएनएम एवं सत्र पर उपस्थित अन्य कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत के अधीक्षक डॉ0 अरुण कन्नौजिया उपस्थित रहे।

लड़की को इंप्रेस करने के लिए लहराई पिस्टल!

वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल, जांच में जुटी पुलिस

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सद्भावना पुल घाट पर लड़की को इंप्रेस करने के लिए युवक ने लहराई पिस्टल, पुलिस पड़ गई पीछे। नौजवान युवा पीढ़ी किस कदर असलाहों की शौकीन हो रहे हैं इस वायरल वीडियो से साफ समझ जा सकता है। जानकारी के अनुसार नगर कोतवाली थाना क्षेत्र सद्भावना पुल पर बने नमो घाट अवैध असलहे के साथ रील्स बना रहें हैं। विडियों में एक युवती घुमते हुए आती है और वहीं खड़े युवक को एक्टिंग के नजरिए से देखती है। कुछ देर बाद वहां युवक के दो दोस्त अपनी बाइक पर बैठ कर लाठी के साथ आते हैं और असलहा लिए युवक उस बाइक पर पीछे से बैठा कर किस तरह से असलहे का प्रदर्शन कर रहा है साथ ही वीडियो को इंस्टाग्राम पर वायरल भी कर रहा है। जबकि इस प्रकार से अश्लहे के प्रदर्शन पर रोक है। बावजूद इसके लोग इसका प्रदर्शन कर रहे हैं। अब देखने ये होगा कि पुलिस इस पर कारवाही कब तक कर पाती हैं। पूरे मामले में एक्स हैंडल पर यूपी पुलिस जौनपुर पुलिस के आदेश करती है तो वही जौनपुर पुलिस ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को जाँच व आवश्यक कार्यवाही हेतु आदेशित किया है।

निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन 24 को

मानीकलाँ जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अहमदी मेमोरियल/शिफा हॉस्पिटल के द्वारा दिनाक 24-12-2024 को, एक फ्री जांच व चेकअप कैम्प का आयोजन होने जा रहा है। दिन मंगलवार समय 8 सुबह बजे से शाम 4 बजे तक कृपया समय पर ध्यान दे। जनपद के जाने माने डॉ.मोहमद चांद बागबान MBBS, DNB (MD) नोट-हृदय,चेस्ट, शुगर,थायोराइड स्पेशलिमर। आदि रोगी अवश्य मिले डॉ.सना अब्दुल्लाह स्त्री एवं प्रसूतिरोग विशेषज्ञ (infertility) मिले-दिन मंगलवार 24/12/2024 समय 8 बजे कैम्प सुबह 4 बजे तक मो -7275309771,7380850571

वीबीएसपीयू और टी.डी.पी.जी. कालेज का डीएम ने निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा-2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल यूनिर्वसिटी और टी.डी. पी.जी. कालेज का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा आईबीएम भवन, इंजीनियरिंग भवन,फार्मेसी भवन सहित अन्य भवनों का निरीक्षण कर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था,पेयजल,सी.सी.टी.वी. कैमरे इत्यादि व्यवस्थाएं देखी गई। उन्होंने निर्देश दिया कि शौचालय साफ-सुथरा रहे। जिलाधिकारी ने केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों समय से पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि अवशेष अन्य व्यवस्थाएं भी जल्द पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि आयोग के निदेर्शों का कड़ाई से पालन किया जाए।इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी।जिलाधिकारी ने शासन के निदेशों से भी सभी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले समस्त परीक्षार्थियों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर बने अमृत सरोवर का निरीक्षण किया और प्रसंशा की साथ ही उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि प्राथमिक विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय के बच्चों को अमृत सरोवर का विजिट कराया जाए।जिससे बच्चें जल संरक्षण के महत्व को समझ सके।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, प्रो0 मनोज मिश्र, डा. देवराज सिंह, डा0 अमरेन्द्र सिंह, डा0 राजकुमार, डा0 राम कन्हैया सिंह, डा0 ऋषिकेश, राजेन्द्र सिंह सहित खण्ड शिक्षा अधिकारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

लोक चेतना संस्था ने जमा करवाया 5 बच्चों की एक साल की स्कूल फीस

◆ सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य ने जताया आभार

पतरही, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोपा में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में लोक चेतना संस्था ने बरनवाल आभूषण भण्डार के सौजन्य से 5 बच्चों की एक वर्ष की फीस जमा कर दी। इस मौके पर बच्चों के अभिभावकों ने संस्था के प्रति आभार प्रकट किया।

बता दें कि संस्था के प्रदेश संगठन मंत्री निशांत बरनवाल ने गरीब, असहाय बच्चों को धन के अभाव में स्कूल छोड़ते देख एक नई पहल शुरू की। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य अजय कुमार पाण्डेय को 5 बच्चों की एक वर्ष की फीस जमा कर दी। इन बच्चों में कक्षा 7 की संगीता राजभर पुत्री स्व. राम नारायण राजभर निवासी दुधौड़ा, कक्षा 4 के शिवम राजभर पुत्र स्व. डब्लू राजभर निवासी दुधौड़ा, कक्षा 1 के शुभम राजभर पुत्र डब्लू राजभर निवासी दुधौड़ा, कक्षा 3 की प्रियंका राजभर पुत्री अशोक राजभर निवासी दुधौड़ा व कक्षा 3 के सचिन कुमार पुत्र आनन्द निवासी बहिरी पतरही शामिल हैं। श्री बरनवाल ने कहा कि हम भी यहां के पुरातन छात्र हैं, यहां मेरा गहरा लगाव है। हम लोगों से आग्रह करते हैं कि आपके क्षेत्र में जो भी विद्यालय हैं जहां गरीब, असहाय बच्चे हैं जो फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं। उनके लिए आगे आएं। इस कार्य में नई दिल्ली के पुनीत अरोड़ा, निकिता पराशर, नेहा गुप्ता एवं बरनवाल आभूषण भण्डार पतरही निखिल बरनवाल का योगदान रहा।

इस मौके पर विद्यालय समिति के संरक्षक रामजी बरनवाल, प्रबंधक उमाशंकर सिंह, ग्राम प्रधान चंद्रकेश जायसवाल, संस्था के मीडिया प्रभारी कृष्णा सिंह, सिद्धेश्वर तिवारी, आनन्द चौबे, राजेश कुमार श्यामू, साहिल, अजय कुमार पाण्डेय प्रधानाचार्य सहित विद्यालय के स्टॉप व बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे।

अनुराग श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र का जिला कार्यकारी अध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उ०प्र० की प्रादेशिक कार्यसमिति के सर्वसम्मत निर्णय के क्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉ० इन्द्रसेन श्रीवास्तव के अनुमोदन उपरान्त जनपद जौनपुर के निवासी अनुराग श्रीवास्तव को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, जौनपुर का जिला कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नियुक्ति पत्र जारी होने के बाद उक्त जानकारी मिलते ही नवनियुक्त जिला कार्यकारी अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और लगातार समर्थकों द्वारा शुभकामनाएं संदेश भेजे जा रहे हैं। नवनियुक्त जिला कार्यकारी अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव ने महासभा के समस्त उच्च पदाधिकारी एवं कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए बोले कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की गतिविधियों, कार्यक्रमो, आयोजनो के साथ ही महासभा के लक्ष्य, उद्देश्य, सिद्धान्त एवं नीतियों का प्रचार-प्रसार, विस्तार, गतिशीलता एवं सशक्तिकरण का कार्य करते हुये अपनी व अपने महासभा की गरिमा बनायें रखेंगें, और पूरी क्षमता के साथ महासभा को मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

बनारस का जिला अस्पताल बनेगा मेडिकल कॉलेज, 430 बेड की होगी सुविधा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल को उच्चीकृत कर मेडिकल कॉलेज बनेगा। अस्पताल में 430 बेड की सुविधा होगी। वहीं एमबीबीएस और पैरामेडिकल कोर्स भी संचालित किए जाएंगे। इसमें दमानी ग्रुप सहयोग करेगा। डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में कंपनी के अधिकारियों के साथ करारनामा पर हस्ताक्षर किए गए। जिला अस्पताल को उच्चीकृत करते हुए 430 बेड वाला मेडिकल कॉलेज बनेगा। यहां एमबीबीएस और पैरामेडिकल की कक्षाएं संचालित होंगी। मेडिकल कॉलेज के तीन ब्लाक के निर्माण में दमानी ग्रुप सहयोग करेगा। अस्पताल में प्रशासनिक ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक और हॉस्टल का निर्माण कराया जाएगा। डिप्टी सीएम ने मेडिकल कॉलेज का निर्माण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से पूरा कराने का निर्देश दिया है। दरअसल, वाराणसी के जिला अस्पताल में मरीजों का काफी दबाव रहता है। अस्पतालों में रोजाना सैकड़ों की तादाद में मरीज पहुंचते हैं। जिला अस्पताल के मेडिकल कॉलेज के रूप में उच्चीकृत होने से स्वास्थ्य सुविधाओं में काफी सुधार होगा। इसका लाभ जनपदवासियों के साथ ही आसपास के जिलों के लोगों को मिलेगा।

टॉप-20 जिले में लाने की कवायद शुरू, कमिश्नर ने दिए निर्देश

बोले- कोई खुले में न सोएं

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। कमिश्नर कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। कमिश्नर ने कहा कि कोई खुले मे सोता हुआ न मिले। सभी अफसर निगरानी करते रहें। रैनबसेरों के संबंधित एसडीएम, एसीएम निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, लाई-चना, पीने के पानी, शौचालय, सफाईकर्मी, अलाव की व्यवस्था की जांच करें। साथ ही शनिवार शाम तक फोटो भेजें। नेडा की ओर से बताया गया कि पीएम सूर्य घर योजना में पंजीकरण पहले से बढ़ा है। वाराणसी में 7800 लोगों को लाभ मिल चुका है। कमिश्नर ने सभी सीडीओ को लंबित कार्यों और डाटा फीडिंग का तेजी से कराने को कहा ताकि जिले को टॉप-20 में लाया जा सके। दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा में मंडल के चारों जिले की निजी, सहकारी और सरकारी समिति की संख्या, विभिन्न संगठनों, किसानों की संख्या और दुग्ध की उत्पादकता की जानकारी एक सप्ताह में देने को निर्देशित किया गया। पेंशन के रिकॉर्ड को मैनुअल फीड करने को कहा गया। फैमिली आईडी बनाने के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। वन विभाग की कार्बन क्रेडिट योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए सभी चारों जिले पौधरोपण में अच्छे पाए गए। इस पर दो ग्राम पंचायतों का नाम शासन में भेजने को कहा गया। निराश्रित गोवंशों की गोशालाओं का सीडीओ खुद निरीक्षण कर लें। कोई भी फाइल ना फंसे तारीखों के जाल में कमिश्नर कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक की गई। उन्होंने कहा कि वाद निस्तारण में पुरानी फाइलों को ऊपर रखा जाए। इसकी रैंडम जांच भी की जाए। कमिश्नर ने कहा कि धारा-34 के वाद वर्षों तक लंबित न रहे और आपत्ति वाली फाइल को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें। वहीं, रिस्टोर के नाम पर वर्षों तक फाइल लंबित न रहे इसका भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने अंश निर्धारण, रियल टाइम खतौनी और पट्टों का आवंटन भी पूरा करने को कहा। सभी डीएम को निर्देश दिए कि अगले डेढ़ महीनों में तहसीलों का निरीक्षण कर लें। पोर्टल पर कोई ऑडिट आपत्ति लंबित न रहे। बैठक में डीएम एस राजलिंगम, वन संरक्षक डॉ रवि कुमार सिंह, सीडीओ हिमांशु नागपाल समेत अन्य जिलों के अफसर वर्चुअल जुड़े। पीसीएस परीक्षा के सभी केंद्रों का करें निरीक्षण कमिश्नर कौशल राज शर्मा और महानिरीक्षक वाराणसी रेंज मोहित गुप्ता ने रविवार को उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली पीसीएस परीक्षा की भी समीक्षा की। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर कैमरे की व्यवस्था, क्लॉक रूम, प्रश्न पत्रों की उचित सुरक्षा सुनिश्चित करने को निर्देश दिए। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त बैठक कर सकुशल परीक्षा के लिए सभी मापदंडों को पूरा करने और केंद्रों पर बिजली,पानी की उचित व्यवस्था करने को कहा। स्टेशन से परीक्षा केंद्रों तक यातायात सामान्य रहे पुलिस विभाग इसे भी सुनिश्चित करें।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार अखिलेश प्रजापति की दर्दनाक मौत

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र खुटहन के दरना गांव निवासी अखिलेश प्रजापति पुत्र स्व भारत प्रजापति की बीती रात करीब दस बजे निजामपुर पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने बुरी तरह घायल हो गए,जिन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं मौत की खबर लगते परिवार में मातम छा गया और परिवार में मां व पत्नी शशिकला व पुत्र सम्भव पुत्री राशू एवं माही का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। भाई अवधेश प्रजापति ने बताया कि बाइक से आते वक्त रात में दुर्घटना हुई चालीस मिनट बाद एंबुलेंस पहुंची। ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। परिवार पर दुखों का पहाड़ है अभी कुछ महीनें पहले पिताजी की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

हंगामा के नए थ्रिलर पिरामिड में देखिए क्रिप्टोकरंसी से जुड़े गहरे राज और अपराध की कहानी

नई दिल्ली। भारत के सबसे बेहतरीन डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म में शुमार हंगामा अपनी ओरिजनल सीरीज पिरामिड के साथ दर्शकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। यह एक ऐसी कहानी है जो क्रिप्टोकरेंसी की अंधेरी दुनिया और अपराध से आपको रूबरू कराएगी। इसे सिर्फ हंगामा ओटीटी पर देखा जा सकता है। इस सीरीज में राज, सस्पेंस और रोमांच है। इस कहानी में बहुत सारे रोमांचक मोड़ हैं, और हर किरदार का बहुत कुछ दांव पर भी लगा है। यह कहानी दर्शकों को पूरे समय बांधकर रखने की खूबी रखती है। इस सीरीज में हेली शाह, रोहन मेहरा, हर्षद अरोरा, करन शर्मा और कृष्णन बरेटो ने अपनी एक्टिंग का जौहर दिखाया है। सीरीज की कहानी शुरू होती है जबकि झ्रिपिरामिडझ नाम के अपनी तरह के पहले क्रिप्टोकरेंसी प्लेटफॉर्म को बनाने वाले विजनरी अर्जुन बनर्जी का मर्डर हो जाता है। उनकी हत्या से पूरा देश सदमे में डूब जाता है तो कई लोग ऐसे भी होते हैं जिनका अकाउंट ब्लॉक हो जाता है और उन्हें समझ नहीं आता है कि ऐसे में क्या किया जाए। पत्रकार वृंदा (इस किरदार को हेली शाह ने निभाया है) इस हत्या की तह में उतरती है और वह इसके पीछे धोखाधड़ी के जाल, छिपे हुए एजेंडे और धोखे पर से पर्दा उठाने की कोशिश करती है। सच का पता लगाने जब वह निकलती है तो वह एक खतरनाक रास्ते से गुजरती है जिस पर हर कदम पर खतरा है और जो कुछ भी जैसा नजर आता है असल में वैसा है नहीं। हंगामा डिजिटल मीडिया के फाउंडर और मैनेजिंग डाइरेक्टर नीरज रॉय ने इस सीरीज के बारे में कहा, हंगामा के ओरिजनल कॉन्टेंट की लिस्ट में पिरामिड एक अहम नाम है। यह एक ऐसी कहानी है जो इस समय के हिसाब से मौजूं है और इसे दिलचस्प तरीके से पेश किया गया है। इस समय जबकि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में क्रिप्टोकरंसी की चर्चा है तो ऐसे माहौल में यह सीरीज उसके अंधेरों से रूबरू कराती है और एक सस्पेंसभरी कहानी आपके सामने लाती है।

नालासोपारा में कथावाचक श्री प्रेमभूषण महाराज का राम कथा 31 से

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नवदुर्गा ग्राउंड, निअर डी मार्ट,नालासोपारा ईस्ट दिनांक 31 दिसंबर 2024 से 8 जनवरी 2025 तक कथा का आयोजन किया गया है। जिसका समय शाम 4 बजे से 7 बजे तक रखा गया है। मुंबई, पालघर, थाने और आस पास के अन्य श्रद्धालुओं के लिए बहुत ही खुशखबरी है क्योंकि सभी को बहुत ही बेसब्री से इसका इंतजार था और आखिर वह दिन आ ही गया,जब परम पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज के श्रीमुख से रामरस का पान करने का सौभाग्य प्राप्त होगा,सभी लोगो के लिए ऐसे शुभ अवसर का मौका दिया उनका नाम है विजेंद्र सिंह पहले भी उनके ही प्रयासों से ये संभव हो पाया था। पुनः कई दिनों के अथक प्रयासों से ये फिर संभव हुआ है,रामकथा तो स्वयं ही बहुत मधुर है और अगर गाने वाला परम पूज्य प्रेममूर्ति श्री प्रेमभूषण जी महाराज हो तो वह मधुरतम हो जाती है,जिससे इसी लोकप्रियता को देखते हुए सभी लोगो से विनम्र निवेदन है कि समय से पधार कर अपना स्थान ग्रहण करे क्योंकि कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते है,मुख्य यजमान विजेंद्र सिंह धर्मधुरंधर है, ऐसे आयोजन से उनके धर्म के प्रति समर्पण का भाव पता चलता है,कथा के सभी कार्यक्रमों की जानकारी महाराज जी के मीडिया प्रभारी दिनेश प्रताप सिंह ने दिया है। जानकारी वरिष्ठ पत्रकार लाल रोशन सिंह ने दी है।

कोर्ट के आदेश पर कड़ी सुरक्षा के बीच हुई मतगणना

0- परिणाम रहा अधूरा दीमक के कारण बूथ का मतपत्र नष्ट
0- परिणाम जिला मुख्यालय भेजा जाएगा

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज सोंधी विकासखंड के सभागार में शुक्रवार को वार्ड संख्या 8 के जिला पंचायत सदस्य के लिए पुनः मतगणना कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। हालांकि, परिणाम अधूरा रहा। इसका कारण बूथ संख्या 121 के मतपत्रों का दीमक द्वारा नष्ट किया जाना था। वर्ष 2021 में हुए जिला पंचायत चुनाव में वार्ड संख्या 8 से शोले राजभर विजयी घोषित हुए थे। दूसरे स्थान पर सूबेदार यादव और तीसरे स्थान पर मतिउद्दीन थे। इस वार्ड में कुल 13 प्रत्याशी थे। चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए पाराकमाल गांव निवासी प्रत्याशी मौलाना मतिउद्दीन ने जिला न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस पर अपर जिला जज (चतुर्थ न्यायालय) ने निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए न्याय पंचायत पाराकमाल के 25 बूथों पर पुनः मतगणना का आदेश दिया। दीमक बनी बाधा शुक्रवार को सुबह से शुरू हुई मतगणना देर शाम तक चली। लेकिन बूथ संख्या 121 के मतपत्रों के दीमक द्वारा नष्ट कर दिए जाने के कारण कुल 750 मतों की गणना नहीं हो सकी। जबकि अन्य चार बूथों की गिनती पूरी कर ली गई थी। रिपोर्ट जिला मुख्यालय को सौंपी जाएगी मतगणना के प्रभारी अधिकारी राजेश चौरसिया ने बताया कि पूरी प्रक्रिया की रिपोर्ट जिला मुख्यालय को भेज दी जाएगी। क्या बोले मौलाना मतिउद्दीन मौलाना ने कहा कि मेरे खुद के गांव पारा कमाल की मतपेटी दीमक खा गई मुझे रिकाउंटिंग में बढ़त मिलती है मैं वापस न्यायालय जाऊंगा और इंसाफ मांगूंगा उन्होंने न्यायालय में अपील करने की बात कही है। मतगणना के दौरान प्रभारी अधिकारी राजेश चौरसिया, शांति एवं कानून व्यवस्था नोडल अधिकारी संत बीर सिंह, डीपीआरओ सहायक मतगणना प्रभारी नत्थूलाल, मतगणना व्यवस्थापक जितेंद्र सिंह, उमेश द्विवेदी (एडीओ पंचायत), और थानाध्यक्ष रामाश्रय राय समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा डिजिटल रूपी एप्लीकेशन में एक्सेसिबिलिटी फीचर का किया गया आरंभ

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अपने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एप्लीकेशन में एक्सेसिबिलिटी फीचर का आरंभ किया गया है, जिसे व्यापक रूप से डिजिटल रुपी के रूप में जाना जाता है। यूनियन बैंक इस तरह की समावेशी पहल प्रदान करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक है, जिसके माध्यम से वित्तीय समावेशन और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बैंक अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी और विनियमित डिजिटल रुपी, फिएट करेंसी का एक डिजिटल रूप है जो वॉलेट-आधारित लेनदेन, यूपीआई क्यूआर कोड के साथ अंतर-संचालन, ऑटो-लोड कार्यक्षमता और रियल-टाइम निपटान को सुलभ बनाता है। नए एक्सेसिबिलिटी फीचर इस क्रांतिकारी उत्पाद की पहुँच को दिव्यांगजनों तक बढ़ाते हैं, जिससे उपयोगकर्ता को इसे अपनाने में सरलता होती है। इस अभिनव एक्सेसिबिलिटी और इसके माध्यम से दृष्टिबाधित व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए, यह सुविधा उन्हें सीबीडीसी वॉलेट को सरलता से डाउनलोड करने और नेविगेट करने में सहायता करेगी। प्रमुख संवर्द्धन में शामिल हैं। प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ए. मणिमेखली ने बताया यूनियन बैंक ऑफ इंडिया वित्तीय समावेशन और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

100 से ज्यादा प्रशिक्षित बहनों का सम्मान

मुंबई। भांडुप वॉर्ड 110 में बेटी बचाओ बेटी पढाओ, भाजपा ईशान्य मुंबई संयोजक मीरा ठाकुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुंबई संयोजक प्रा. आरती पुगावकर ने आंगणवाडी सेविका और कौशल भारत के अंतर्गत 100 से ज्यादा प्रशिक्षित बहनो का सम्मान किया। श्रीमती पुगावकर ने अपने संबोधन में कहा कि बेटियों का जन्म दर बढ़ाने के साथ उनको उच्च शिक्षा तथा स्व-सुरक्षा का पाठ भी पढ़ाना होगा। इसी के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केबिनेट मंत्री तथा मुंबई भाजपा के अध्यक्ष आशीष शेलार की ओर से सभी लाडली बहनो को धन्यवाद दिया। बृहन्मुंबई महापालिका एस वॉर्ड समाज विकास अधिकारी सरला राठोड ने बचत गट निर्माण करने हेतु उपस्थित बहनो को अवगत किया। कार्यक्रम में जिल्हा अध्यक्ष दीपक दळवी, वॉर्ड अध्यक्ष गणेश आमीन, भांडुप संयोजक नयना तावडे साथ पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदी हुए शामिल. शक्ती महिला मंडल की बहनो ने भजन के माध्यम से कार्यक्रम की शोभा बढाई।

कविताम्बरा पत्रिका का शब्द सारथी डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति विशेषांक लोकार्पित

डॉ प्रजापति को मिला 'कविताम्बरा साहित्य श्री सारस्वत सम्मान' तथा 'हिंदी गजल गौरव सम्मान

वाराणसी। साहित्य और आध्यात्म के लिए प्रसिद्ध शहर बनारस के सुंदरपुर स्थित बृज एन्क्लेव के होटल एवेरा इन के सभागार में कविताम्बरा एवं विश्व हिंदी शोध-संवर्धन अकादमी ने संयुक्त तत्वावधान में 'शब्द सारथी डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति विशेषांक का लोकार्पण एवं सम्मान समारोह सह काव्योत्सव आयोजित किया। इस मौके पर डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति को 'कविताम्बरा साहित्य सारस्वत सम्मान' एवं सीतामढ़ी बिहार से प्रकाशित साहित्यिक पत्रिका 'एक नयी सुबह' के द्वारा हिंदी गजल गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। शहर के सैकड़ों साहित्यकारों एवं बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में हुए इस सम्मान के अवसर पर डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति को प्रशस्ति पत्र, सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह,शॉल एवं साहित्यिक पुस्तकों से अलंकृत भी किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा माता सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर हुआ। इसके बाद कवयित्रियों की चयनित टोली ने समवेत स्वर में सरस्वती वंदना का गायन किया।पत्रिका के संपादक मधुकर मिश्र जी ने अपने स्वागत भाषण में डाक्टर कृष्ण कुमार प्रजापति के संबंध में कहा कि साहित्यकार डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति जी अपने आप में एक संस्था हैं।इनका साहित्यिक कद बहुत विराट है। यह सिर्फ शीर्ष गजलकार ही नहीं कथाकार,समीक्षक, संपादक के साथ साथ सफल उद्यमी भी हैं। मंचासीन अतिथियों एवं देश के विभिन्न शहरों से आये साहित्यकारों के हाथों जब कविताम्बरा पत्रिका के विशेषांक 'शब्द सारथी डाक्टर के.के.प्रजापति विशेषांक' का लोकार्पण हुआ तब सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ वशिष्ठ अनूप ने कृष्ण कुमार की गजलों को दुष्यंत एवं अदम गोंडवी की परंपरा को समृद्ध करनेवाला बताते हुए कहा कि ये ऐसे संवेदनशील गजलकार हैं जिनके शब्द,शिल्प, भाषा और भाव में साकेती आनंद है, कामायनी का सौंदर्य है और दुष्यंत की आग है। गजलकार डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति सही मायने में शब्द सारथी हैं। वरिष्ठ संपादक साहित्यकार गिरीश पंकज, गजलकार अनिरुद्ध सिन्हा,कवि संजय पंकज,नवगीतकार जय चक्रवर्ती, संपादक डॉ दशरथ प्रजापति, समाज सेविका दीपा प्रजापति, सुधा प्रजापति, साहित्यकार डॉ अजय प्रजापति, भोलानाथ पीड़ित विह्वल, केशव जालान भाई, डॉ चंद्रभाल सुकुमार,विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र राय, केशव जालान भाई, श्रीनारायण खेमका, डॉ राम सुधार सिंह इत्यादि साहित्यकारों ने समवेत स्वर में कहा कि डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति का व्यक्तित्व एवं लेखन संसार दोनों ही श्रेष्ठ, प्रशंसनीय एवं प्रेरक हैं। इनकी गजलों का सहज सौंदर्य एवं भाव सभी को आकर्षित करता है। अपने संबोधन में डॉ कृष्ण कुमार प्रजापति ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि आज प्राप्त अपने इस सम्मान को मैं राष्ट्रभाषा हिन्दी का और हिंदी साहित्य का सम्मान मानता हूं। कार्यक्रम को सफल बनाने में गिरीश पांडेय, अनूप अग्रवाल,मणिबेन द्विवेदी,कंचन सिंह परिहार, डॉ सुभाष चन्द्र, डॉ नसीमा निशा,, टीकाराम आचार्य इत्यादि की भूमिका महत्वपूर्ण रही। मौके पर शताधिक साहित्यकार,कवि, कवयित्री, बुद्धिजीवी, एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।काव्योत्सव सत्र में उपस्थित कवियों एवं कवयित्रियों ने अपने काव्यपाठ से कार्यक्रम को और भी महत्वपूर्ण एवं गरिमापूर्ण बना दिया।

उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद कार्यक्रम संपन्न

उज्बेकिस्तान। उज्बेकिस्तान में 17 दिसंबर को राजधानी ताशकंद में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद संपन्न हुआ। राज कपूर शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लाल बहादुर शास्त्री संस्कृति केंद्र, भारतीय दूतावास ताशकंद एवं ताशकंद स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज के संयुक्त तत्त्वावधान में यह परिसंवाद आयोजित किया गया। परिसंवाद का मुख्य विषय था हिंदी सिनेमा की वैश्विक लोकप्रियता और राज कपूरः ।

परिसंवाद के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता उज्बेकिस्तान में भारत की राजदूत स्मिता पंत ने की । ताशकंद स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज की रेक्टर डॉ गुलचेहरा ने स्वागत वक्तव्य दिया । लाल बहादुर शास्त्री संस्कृति केंद्र के निदेशक सितेश कुमार ने आयोजन की भूमिका स्पष्ट की । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जाने माने फि ल्म निर्देशक उमेश मेहरा उपस्थित थे। उमेश ने राज कपूर से जुड़े कई प्रसंगों को साझा किया। वरिष्ठ भारतविद प्रोफेसर उल्फत मोहिबोवा ने राज कपूर और उज्बेकिस्तान के रिश्तों की बारीक पड़ताल की । इस अवसर पर प्रयागराज, भारत से प्रकाशित होनेवाली प्रतिष्ठित यूजीसी केयर लिस्टेड शोध पत्रिका 'अनहद लोक' के राज कपूर विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया। इस परिसंवाद में प्रस्तुत सभी शोध आलेखों को इस अंक के माध्यम से प्रकाशित किया गया है। इस परिसंवाद के संयोजक के रूप में डॉ मनीष कुमार मिश्रा - विजिटिंग प्रोफेसर, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, हिंदी चेयर एवं डॉ निलोफर खोदेजेवा ने परिसंवाद की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की । इस अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री संस्कृति केंद्र द्वारा उर्दू की किताबें विश्वविद्यालय को प्रदान की गई। उज्बेकिस्तान के उस्तादों को सम्मानित करने की योजना को शुरू करने की बात भारत की उज्बेकिस्तान

में राजदूत स्मिता पंत के माध्यम से की गई। उद्घाटन सत्र के बाद पहले तकनीकी सत्र की शुरूआत हुई जिसकी अध्यक्षता स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेजेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के डॉ रिजवान और ताशकंद स्टेट युनिवर्सिटी के डॉ सिराजुद्दीन ने संयुक्त रूप से की । इस सत्र में कुल 11 शोध आलेख प्रस्तुत किए गए। शोध आलेख प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में अहमदजान कासिमोव, प्रोफेसर उल्फत मोहिबोवा, प्रवीण कुमार, मंजू रानी, डॉ नवीन कुमार, डॉ सुमेरा खालिद, डॉ कमोला रहमतजोनवा, निमातीव जुबैदा, शम्सीकामर तिलोवमुरादोवा और स्मततुलेवा मोतबार शामिल थीं । दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अवकाश जाधव ने की । इस सत्र में कुल 10 शोध आलेख प्रस्तुत किए गए। शोध आलेख प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में डॉ मनीषा पाटिल, नूतन वर्मा, श्वेता कुमारी, प्रोफेसर हेमाली संघवी, डॉ स्वाती जोशी, डॉ अनुराधा शुक्ला, डॉ उर्वशी शर्मा, डॉ लोकेश जैन, रजनी देवी और विक्रम सिंह शामिल रहे। तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता व्यंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली में इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर निर्मल कुमार ने की । इस सत्र में कुल 12 शोध आलेख प्रस्तुत किए गए। शोध आलेख प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में डॉ रीना सिंह, परमेश कुमार, डॉ प्रभा लोढ़ा, डॉ संतोष मोटवानी, डॉ नवल पाल, गायत्री जोशी, डॉ हर्षा त्रिवेदी, डॉ उषा आलोक दुबे, डॉ गुरमीत सिंह, प्रीती उपाध्याय, डॉ सुधा वी गदक, डॉ दीप्ति और डॉ बी एस हेमलता शामिल रहीं । चौथे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता अनहद लोक पत्रिका की संपादक डॉ मधु रानी शुक्ला ने की । इस सत्र में कुल 13 शोध आलेख प्रस्तुत किए गए। शोध आलेख प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में गरिमा जोशी, विजय पाटिल, नेहा राठी, डॉ कल्पना, डॉ प्रतिमा, डॉ वंदना पूनिया, प्रभात कुमार, प्रियंका ठाकुर, ज्योति शर्मा, डॉ आशुतोष वर्मा, प्रकाश नारायण त्रिपाठी, सोनाली शर्मा, डॉ दानिश खान, वंदना त्रिवेदी और डॉ गुलजबीन अख्तर शामिल रहीं। ऑनलाइन सत्रों के कुशल संयोजन में परवीन कुमार ने महती भूमिका निभाई। भोजनावकाश के बाद समापन सत्र की शुरूआत हुई। इस सत्र में परिसंवाद रिपोर्ट डॉ मनीष कुमार मिश्रा ने प्रस्तुत की । डॉ निलोफर खोदेजेवा ने प्रतिभागियों के मंतव्य सुने । सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अंत में परिसंवाद संयोजक के रूप में डॉ मनीष कुमार मिश्रा एवं डॉ निलोफर खोदेजेवा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस तरह सुखद वातावरण में यह एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद संपन्न हुआ।

मोबाइल ऐप आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एजेंट्स को कमीशन प्राप्त हुआ

मुंबई । आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के सलाहकारों के लिए विशेष रूप से पेश किए गए मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही में उनकी उत्पादकता में 37% की वृद्धि की है, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि, आईप्रू एज ऐप का उपयोग करने वाले 98.1% एजेंट्स को उसी दिन उनका कमिशन प्राप्त हुआ। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ऐसी पहली जीवन बीमा कंपनी है, जो चुनिंदा वितरकों को उसी दिन कमीशन का भुगतान करती है। कंपनी के पास 2 लाख से अधिक सलाहकारों का नेटवर्क है और कंपनी के लगभग 61% से अधिक टॉप सलाहकार अब इस ऐप का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, जिससे उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में

मदद मिल रही है। यह मोबाइल ऐप एजेंट्स के लिए एक चलते-फिरते ऑफिस की तरह काम करता है, जिससे वे प्रशासनिक कार्यों के बजाय नए व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आईप्रू एज ऐप में रियल-टाइम केवाईसी प्रमाणीकरण और ओसीआर टेक्नोलॉजी जैसी सुविधाएं हैं, जो ग्राहकों को पेपरलेस खरीदारी का अनुभव देती हैं। यह ऐप छोटे शहरों और गांवों में रहने वाले एजेंट्स के लिए बहुत उपयोगी है। वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही में, कंपनी ने अपने एजेंसी चैनल से रिटेल वेटेड रिसीव्ड प्रीमियम में साल-दर-साल 49% की वृद्धि दर्ज की है, जो ऐप द्वारा दी गई सुविधा को दशार्ता है। शोबी सैम, चीफ ऑफ सेल्स, प्रोप्राइटरी चैनल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहाः ऱहमारे मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने हमारे एजेंट्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में सक्षम बनाया है। यह वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही में उनकी उत्पादकता में 37% की वृद्धि के माध्यम से स्पष्ट है। इसके अलावा, ऐप का उपयोग करने वाले 98.1% सलाहकारों को उसी दिन कमिशन भुगतान किया गया। इन पहलों ने हमें देश में सबसे अधिक सलाहकार-अनुकूल जीवन बीमा कंपनी बनने में मदद की है।

छात्रों के दो गुटों में हुई मारपीट

आजमगढ़। शहर कोतवाली क्षेत्र के रैदोपुर स्थित स्मार्ट बाजार के सामने कोचिंग से निकले छात्रों के दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले को संज्ञान लेते हुए एसपी सिटी ने दोनों पक्षों को कोतवाली में बुलाकर समझौता कराया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दो छात्रों के गुट नजर आ रहे हैं। उक्त वीडियो शहर कोतवाली के रैदोपुर मोहल्ले का बताया जा रहा है। वीडियो में छात्र आपस में गाली-गलौज कर रहे हैं। वहीं एक युवक बेल्ट निकालकर एक युवक की पिटाई करता नजर आ रहा है। दोनों गुटों में जमकर मारपीट हुई। जब तक पुलिस वहां पहुंचती तब तक युवक वहां से निकल चुके थे। बताया जा रहा कि एक गुट कक्षा 11वीं का है तो दूसरा गुट कक्षा 12वीं का था।

केशव सृष्टि महोत्सव एवं सत्यनारायण महा पूजा 5 जनवरी को

भाईंदर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी। इस वर्ष विजयादशमी पर संघ को पूरे 100 साल हो जाएंगे. जिसको लेकर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी केशव सृष्टी महोत्सव एवं श्री सत्यनारायण महापूजा का आयोजन 5 जनवरी 2025, को संघ शताब्दी वर्ष की थीम पर होंगा। केशव सृष्टी महोत्सव के अध्यक्ष डॉक्टर सुशील अग्रवाल ने एक प्रेस परिषद के दौरान बताया कि इस वर्ष की केशव सृष्टि महापूजा महाराष्ट्र सरकार द्वारा गौमाता को राजमाता घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में 5 जनवरी केशव सृष्टि गौशाला में होंगी। इस महोत्सव में विभिन्न प्रदर्शनी, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम, तथा मनोरंजन के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। डॉक्टर अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष केशव सृष्टि महापूजा संघ शताब्दी वर्ष की थीम पर होंगी। केशव सृष्टि 20वीं सदी के महानतम भारतीय दूरदर्शी लोगों में से एक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्मृति में एक जीवंत और पथ-निर्धारक श्रद्धांजलि है। जो राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित थे। डॉ. हेडगेवार के आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, केशव सृष्टि आज अभिनव और बहुमुखी सामाजिक परियोजनाओं के केंद्र के रूप में उभरी है। भारतीय समाज के लिए संघ के अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करना एक गर्व का विषय हो सकता है। उन्होंने बताया कि महापूजा न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि एक सांस्कृतिक मेला भी है, जहा पर महा आरती सुबह 10 बजे होंगी उसके पश्चात पालखी आगमन,भजन ,सांस्कृतिक कार्यक्रम (नारियल बाग) में तारपा नृत्य

सूर्या हॉस्पिटल्स यश चैरिटेबल ट्रस्ट इवेंट में हेल्थकेयर पार्टनर के रूप में न्यूरोडायवर्सिटी का करेगा समर्थन

मुंबई। सूर्या हॉस्पिटल्स, हेल्थकेयर पार्टनर के रूप में यश चैरिटेबल ट्रस्ट का समर्थन कर रहा है, 20 दिसंबर को सेंट एंड्रयूज, बांद्रा में न्यूरोडायवर्सिटी का जश्न मनाने वाली सारंग संध्या एक प्रेरक शाम की मेजबानी कर रहा है। सारंग संध्या यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जिसमें न्यूरोडायवर्सिटी व्यक्तियों, कॉर्पोरेट नेताओं और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को एक साथ लाया गया ताकि विकासात्मक बाल चिकित्सा में समावेशिता और प्रारंभिक हस्तक्षेप के महत्व पर प्रकाश डाला जा सके। शाम का मुख्य आकर्षण न्यूरोडायवर्सिटी व्यक्तियों द्वारा गायन, नृत्य, नाटक और स्किट के माध्यम से अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले प्रदर्शनों की एक श्रृंखला थी। उपस्थित लोग मंच पर दिखाए गए जुनून और रचनात्मकता से मंत्रमुग्ध हो गए, जिसने इस संदेश को रेखांकित किया कि न्यूरोडायवर्सिटी व्यक्तियों में अपार पेशेवर क्षमता होती है। हेल्थकेयर पार्टनर के रूप में, सूर्या हॉस्पिटल्स ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अस्पताल ने सभी प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए स्टैंडबाय पर एम्बुलेंस सहित चिकित्सा सहायता प्रदान की। सूर्या हॉस्पिटल्स, मुंबई की बाल चिकित्सा टीम की एक प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. राजेश्वरी गणेश - डेवलपमेंट बिहेवियरल पीडियाट्रिक्स, सूर्या हॉस्पिटल्स, मुंबई और यश चैरिटेबल ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. सुषमा नागरकर इस कार्यक्रम में मौजूद थीं। सूर्या हॉस्पिटल्स ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे समय पर चिकित्सा और उपचारात्मक सहायता परिणामों में उल्लेखनीय सुधार ला सकती है और अधिक सामाजिक समावेश को बढ़ावा दे सकती है। नवीन प्रभाकर, धरसी बरेडिया, एंजेला रेबेलो और पारिजात सरकार जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और शाम को और भी जीवंत बना दिया।

रामसूरत राजभर ने सदन में उठाया पैरामेडिकल कालेज की समस्याओं का मुद्दा

लखनऊ। सदस्य विधान परिषद रामसूरत राजभर ने सदन का ध्यान जनपद आजमगढ़ के चक्रपानपुर स्थित पैरामेडिकल कालेज की दुर्व्यवस्था की ओर आकृष्ट कराया। उक्त पैरामेडिकल कालेज हेतु 20 एकड़ भूमि कई साल पहले क्रय की गई थी। लेकिन आज तक भवन नहीं बन सका। यहां पर कक्षाएं भी आजमगढ़ मेडिकल कॉलेज के भवन में छोटे से कमरे में संचालित होती हैं। जबकि यहां पर पैरामेडिकल कालेज के रुप में अलग-अलग डिप्लोमा ट्रेड की कुल 110 सीटों की सरकार से मान्यता है। जिसमें डिप्लोमा इन लैब टेक्नीशियन की 25 सीट, डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्निशियन की 25 सीट, डिप्लोमा इन फिजियोथेरेपी की 20 सीट, डिप्लोमा इन आप्थोमेंट्री की-20 सीट, डिप्लोमा इन ओटी टेक्निशियन-20 सीट कुल 110 छात्र-छात्राओं का बैच प्रतिवर्ष निकलता है और यह पिछले 5 सालों से निकल रहा है। सबसे गंभीर समस्या यह है कि यहां पर संबंधित ट्रेड के लिए टिचिंग स्टाफ और नान टीचिंग स्टाफ हेतु शासन से पद ही सृजन नहीं हुआ है। पद सृजन का प्रस्ताव लगभग 2 महीने पहले ही महानिदेशक और प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को भेजा तो गया है। लेकिन अबतक शासन स्तर से कोई त्वरित कार्रवाई नहीं हो पाई है। सबसे गंभीर विषय यह है कि महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा द्वारा कोई मानक ही नहीं बनाया गया है। जिससे पैरामेडिकल कालेज आजमगढ़ के संचालन में दुर्व्यवस्था बनी हुई है। लोक महत्व के इस अविलंबनीय सुनिश्चित विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए पैरामेडिकल कालेज आजमगढ़ की आवश्यक सुविधाओं तथा समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। सदन में चर्चा और वक्तव्य कराएं जाने की मांग करते हैं। सदस्य विधान परिषद टिप्पणी- उक्त विषय जनहित और लोक महत्व का है।

मनपा जी दक्षिण स्वास्थ्य विभाग द्वारा विहंग 2025 नववर्ष स्वागत समारोह संपन्न

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका जी-दक्षिण स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र वी मोहिते के आयोजन एवं संयोजन में नववर्ष 2025 के स्वागत एवं 2024 की विदाई हेतु गीत-संगीत एवं सम्मान समारोह का आयोजन दादोबा काशिनाथ ठाकूर हॉल,दादर आडोटोरियम में किया गया। कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप ने बताया कि डॉ मोहिते ने यह उत्कृष्ट कार्यक्रम सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों के मध्य सीनियर के भय से विमुक्त होकर विभागीय कार्य आपसी तालमेल रखते हुए स्वच्छंद रहकर करें तथा सभी के अंतस में जो कला गीत, संगीत,नृत्य छिपी हुई है वह बाहर आए।उक्त समारोह में डॉ प्रज्योत चव्हाण,डॉ ओमकार चोंचें, डॉ राजेश देवेन्द्र, डॉ अमोल दर्रोई,डॉ प्रियंका भोये,डॉ मधुरा एवं स्वच्छता निरीक्षक ? दीपक बारिया, समीर गव्हाणकर, नितिन कुलकर्णी, समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाड़े ,संनिरिक्षक सुनील मोरे, दयाराम यादव ,रघुनाथ दुधम, चैतन्य रावल का विशेष सहयोग रहा। समारोह का शुभारंभ गणेश वंदना से वैशाली गिद्ध ने किया तत्पश्चात वैशाली ठाकुर, मेघा खड़े, अश्विनी भंडारे,तारा खान, ए.एम.ओ. सभी स्वास्थ्य केंद्र, माया केदार, श्रावणी और भूमि कारले डांस,गीत भावना गावित, समूह डांस आर.सी.एच. सुभदा वाणी,सर्वरी कदम, मंदाकिनी सूर्यवंशी, गौरी कांबले,भूमि कारले, डांस वृशाली गिद्ध, युगल गीत स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र वी मोहिते,शबनम एवं माया केदार, समूह डांस जिजामाता नगर स्वास्थ्य केंद्र, समूह डांस मीनाक्षी कदम एवं आरती नारकर, समूह डांस प्रभादेवी स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर प्रवात नायक,अमित, प्रियंका, तेजस्विनी, पूजा, रूपाली, अनीता, पाटणकर, लीना, फैशन शो जी दक्षिण विभाग,गीत मीनल नेरुरकर,गीत प्रभादेवी मेटरनिटी डॉ विशाल वाणी और डॉक्टर हिना वाणी, अभिभाषण विक्रम द्वारा शानदार प्रस्तुति और उपस्थित सभी कलाकारों द्वारा डांस, गीत आदि की प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को आह्लादित कर दिया। अंत में आयोजकों ने उपस्थित सभी श्रोताओं, दर्शकों, कर्मचारियों, कलाकारों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

भगवान का अवतार राक्षसों के दमन से अधिक भक्तों के रक्षा के लिए होता है: स्वामी नारायणानंद

मुम्बई। भगवान श्रीराम के शरण में विभीषण आते हैं और भगवान उन्हें अपने शरण में ले लेते हैं। शरणागत चाहे शत्रु कुल का ही क्यों न हो, उसे अभयता प्रदान करना चाहिए तथा कल्याणमार्ग में प्रेरित करना चाहिए। भगवान का अवतार राक्षसों के दमन से अधिक भक्तों के रक्षा के लिए होता है। काम, क्रोध, लोभ, मोह की प्रधानता से ही आसुरी प्रवृत्ति संसार में बढ़ती है, इनसब से बचने का मुख्य कारण श्रीराम कथा ही है, दूसरा कोई उपाय नहीं है। कोई भी कार्य करना हो तो पहले इच्छा होनी चाहिए, जब तक इच्छा नहीं होगी तब-तक कार्य की सिद्धि नहीं होगी। इसी प्रकार से पहले मोक्ष की इच्छा जब किसी को जागृत होती है, तभी उसका कल्याण होता है। अगर मोक्ष की इच्छा न हो तो शास्त्र का उपदेश देना व्यर्थ होता है। गुरु तो बना लिया गुरु से लाभ क्या है, जिस उद्देश्य से संबंध बनाया था, उस उद्देश्य की पूर्ति हुई कि नहीं इस पर विचार नहीं किया। दुनिया के चक्कर में पड़कर मनुष्य इस चीज को भूल जाता है। एक अवस्था ऐसी आती है जहाँ कुछ भी काम नहीं देता है, केवल पछताना ही शेष रह जाता है। इस उक्ताशय की पुष्टि पूज्यपाद अनंतश्री विभूषित काशीधर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ महाराजश्री ने एल. बी. एस. रोड, पन्नालाल कंपाउंड के सामने, भांडुप पश्चिम स्थित नित्यानंद मन्दिर परिसर में चल रहे सात दिवसीय श्री रामकथा ज्ञानयज्ञ के छठे दिवस कही। महाराजश्री ने बताया, इसीलिए वाल्मीकि जी के मन में धर्मशास्त्र लिखने की इच्छा जागृत हुई, उनके मन में आया कि माता-पिता का व्यवहार अपने बच्चों के प्रति कैसा होना चाहिए और बच्चों का व्यवहार अपने माता-पिता के साथ कैसा होना चाहिए, भाई-भाई का व्यवहार कैसा होना चाहिए, पति-पत्नी का व्यवहार कैसा होना चाहिए धर्म का पालन कैसे करना चाहिए। किसी को आज्ञा करने से धर्म जीवन में नहीं उतरता, उन्होंने सोचा धर्म को ऐसे उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाए, जिसको श्रवण करके, देखकर के सुनकर के उनके भावों को, उसका भाव करके लोग चरित्रवान बनें।